www.gargacharytimes.in

Email:- gargacharytimes@gmail.com

सच के साथ हमेशा

गर्गाचार्य टाइम्स

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र



2

वर्ष : 01 अंक 340 | मथुरा,रविवार 06 सितंबर 2026 | RNI-No.UPHIN/25/A2859 | पेज: 8 मूल्य : 5 रुपया

एसआरसीसी के शताब्दी समारोह में पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी, युवाओं से किया संवाद

युद्ध के बीच भी भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) के शताब्दी समारोह में शामिल हुए और छात्रों से संवाद किया। करीब 13 साल बाद प्रधानमंत्री एक बार फिर एसआरसीसी पहुंचे। इससे पहले उन्होंने वर्ष 2013 में कॉलेज में युवाओं को संबोधित किया था।

शताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री ने एसआरसीसी की 100 वर्षों की यात्रा और देश के निर्माण में इसके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि दरियागंज की एक छोटी-सी जगह से शुरू हुआ यह संस्थान आज ज्ञान के विशाल वटवृक्ष का रूप ले चुका है। कॉलेज ने अपनी यात्रा के दौरान लाखों युवाओं के भविष्य को दिशा दी है और देश-दुनिया को अनेक सफल प्रतिभाएं दी हैं।

प्रधानमंत्री ने अपने 2013 के संबोधन की याद दिलाते हुए पानी से आधे भरे गिलास का उदाहरण





दोहराया। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को गिलास आधा भरा दिखाई देता है, जबकि कुछ को आधा खाली। लेकिन उनकी नजर में गिलास पूरा भरा है–आधा पानी और आधा हवा। उन्होंने युवाओं को सकारात्मक सोच के साथ अवसरों को देखने का संदेश दिया।

अर्थव्यवस्था का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया युद्ध की स्थिति से जूझ रही है, इसके बावजूद भारत की जीडीपी 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि यह देश की अर्थव्यवस्था की मजबूती को दशार्ता है।

प्रधानमंत्री ने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि एक समय ऐसा था, जब देश की विकास दर बहुत नीचे थी और महंगाई चरम पर थी। उन्होंने युवाओं के सामने भारत की बदलती आर्थिक स्थिति और विकास की संभावनाओं को भी रेखांकित किया।

प्रधानमंत्री ने एसआरसीसी के पूर्व छात्रों की उपलब्धियों की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि कॉलेज का एलुमिनाई नेटवर्क बेहद मजबूत है और यहां से निकले छात्रों ने अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाई है।

इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. योगेश सिंह ने भी एसआरसीसी की उपलब्धियों और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कार्यशैली की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में एसआरसीसी की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। कॉलेज ने अपने 100 वर्षों के सफर में देश को अनेक सफल व्यक्तित्व दिए हैं।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने एसआरसीसी की शताब्दी से संबंधित पुस्तक का विमोचन भी किया। समारोह में युवाओं और छात्रों के साथ प्रधानमंत्री का संवाद प्रमुख आकर्षण रहा।

केरल में भीषण सड़क हादसा 8 इंजीनियरिंग छात्रों की मौत



तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरल के त्रिशूर जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-66 पर शुक्रवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में तमिलनाडु के आठ इंजीनियरिंग छात्रों की मौत हो गई। हादसा कैपामंगलम के पास पनंबिकुन्नु में रात करीब 11:40 बजे हुआ। पुलिस के अनुसार, डिंडीगुल स्थित एक इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र गुरुवायूर से कोडुंगल्लूर जा रहे थे। तेज रफ्तार कार निमार्णाधीन सड़क के डायवर्जन के पास पहुंची, जहां सड़क के दाहिने हिस्से में महाराष्ट्र नंबर की एक लॉरी खड़ी थी। अंधेरे में चालक को बैरिकेडिंग और लॉरी दिखाई नहीं दी और कार पीछे से लॉरी में जा घुसी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि छह छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। मृतकों में डिंडीगुल के सूर्या, युवसंजीत, जोशुआ, मुरली और जीवा, मदुरै के संतोष व प्रसन्ना तथा सेलम के विश्वा शामिल हैं। पुलिस ने लॉरी चालक के खिलाफ लापरवाही और गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है। हादसे के बाद चालक फरार है। शुरूआती जांच में लॉरी चालक की बड़ी लापरवाही सामने आई है।

घटना के बाद निमार्णाधीन राजमार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठे हैं। मुख्यमंत्री ने हादसे पर दुख जताते हुए निमार्णाधीन परियोजनाओं की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा कराने और इस मुद्दे को राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के समक्ष उठाने की बात कही है।

भारत-जापान वायुसेना संयुक्त युद्धाभ्यास 9 से 22 सितंबर तक

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना और जापान की वायुसेना के बीच द्विपक्षीय युद्धाभ्यास 'वीर गार्जियन 2026' का आगाज हो गया। यह अभ्यास 9 सितंबर से 22 सितंबर 2026 तक जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पर आयोजित किया जा रहा है। भारतीय वायुसेना ने 'एक्स' पर पोस्ट कर इस बारे में जानकारी दी। वायुसेना ने बताया कि जापान एयर सेल्फ-डिफेंस फोर्स (जेएएसडीएफ) के दो सी-2 विमान जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पर उतरे, इनके साथ जापानी दल इस अभ्यास के दूसरे संस्करण में शामिल होने के लिए भारत पहुंचा है।

निशु आजाद केस:
स्वतंत्र भारद्वाज को पुलिस कस्टडी में भेजा

नई दिल्ली। निशु आजाद केस में खुद को इन्फ्लुएंसर बताने वाले स्वतंत्र भारद्वाज को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर शनिवार को एक दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया। भारद्वाज ने दावा किया था कि 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) के नेतृत्व में जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन के दौरान उसने एक छात्र प्रदर्शनकारी के पिता से मारपीट की थी। पुलिस ने भारद्वाज को पटियाला हाउस कोर्ट के जज के घर पर पेश किया। इसके बाद कोर्ट ने स्वतंत्र भारद्वाज को एक दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया।पुलिस के मुताबिक, 18 जून को केतन अग्रवाल अपनी मंगेतर सिया गोयल के साथ लोहगढ़ किले पर ट्रेकिंग के लिए गए थे। इसी दौरान आरोपियों ने कथित तौर पर उन्हें किले की ऊंचाई से नीचे धक्का दे दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। जांच के दौरान पुलिस को हत्या की साजिश में रितेश के शामिल होने के सुराग मिले। इसके बाद उसे गिरफ्तार किया गया। पुलिस अब उससे पूछताछ कर घटना से जुड़े अन्य तथ्यों और साजिश में उसकी भूमिका का पता लगा रही है। कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा ने भी गिरफ्तारी में कथित देरी पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब पूरी घटना सबके सामने थी तो कार्रवाई में इतना समय क्यों लगा।

लश्कर का सदस्य है मारा गया आतंकी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में संयुक्त बलों के 'ऑपरेशन अशदार' में मारे गए आतंकवादी की पहचान पाकिस्तानी नागरिक और लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के सदस्य यासिर के तौर पर हुई है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। बता दें कि सुरक्षा बलों ने बडगाम के अशदार गली इलाके में एक जॉइंट ऑपरेशन के दौरान एक आतंकवादी को मार गिराया था। अधिकारियों ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान मारे गए आतंकवादी के पास से एके-सीरीज की राइफल और युद्ध में इस्तेमाल होने वाला अन्य सामान भी बरामद किया गया।

महाराष्ट्र: भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी रोकने के लिए समिति गठित

पुणे। महाराष्ट्र सरकार ने भर्ती परीक्षाओं को लेकर बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने भर्ती परीक्षा में होने वाली गड़बड़ी को रोकने के लिए एक हाई-लेवल कमेटी का गठन किया है, जो पेपर से लेकर रिजल्ट तक की पूरी व्यवस्था की समीक्षा करेगी। यह समिति सिर्फ परीक्षा के पेपर तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि पूरी परीक्षा प्रक्रिया की समीक्षा करेगी। समिति यह देखेगी कि प्रश्नपत्र कैसे तैयार होते हैं, उनकी गोपनीयता कैसे बनाए रखी जाए, परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा और व्यवस्था कैसी हो, तकनीक का इस्तेमाल कैसे बढ़ाया जाए और नकल व अनुचित साधनों पर कैसे प्रभावी रोक लगाई जाए।

सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में बनी मस्जिद पर ध्वस्तीकरण कार्रवाई

सहारनपुर, एजेसी। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में जिला कलेक्ट्रेट परिसर के अंदर बनी मस्जिद को प्रशासन ने शनिवार को ध्वस्त कर दिया। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में छह बुलडोजर लगाकर यह कार्रवाई की गई। प्रशासन के अनुसार, संबंधित निर्माण सरकारी जमीन पर अवैध रूप से किया गया था और जिला अदालत द्वारा बेदखली के आदेश को बरकरार रखने के बाद ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई।

डीआईजी अभिषेक सिंह ने बताया कि कलेक्ट्रेट परिसर में सरकारी जमीन पर एक अवैध निर्माण पाए जाने के बाद सिटी मजिस्ट्रेट की अदालत ने बेदखली का आदेश दिया था। मस्जिद कमेटी ने इस आदेश के खिलाफ पहली अपील की, जिसे अदालत ने खारिज कर दिया। इसके बाद सिटी मजिस्ट्रेट के आदेश को बरकरार रखा गया और उसी के तहत निर्माण हटाया गया।

उन्होंने कहा कि प्रशासन ने कानूनी प्रक्रिया के तहत अपनी सभी जिम्मेदारियां पूरी की हैं। त्योहारों और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए



अतिरिक्त पीएसी और आरएएफ की तैनाती भी की गई है।

उधर, कैराना की सांसद इकरा हसन को पुलिस ने नजरबंद कर दिया। वह कलेक्ट्रेट परिसर की मस्जिद के मुद्दे पर सहारनपुर जाने की तैयारी कर रही थीं। उनकी मां और पूर्व सांसद तबस्सुम हसन ने कार्रवाई की आलोचना की।

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने भी ध्वस्तीकरण पर सवाल उठाते हुए कहा कि मामला केवल मस्जिद का नहीं, बल्कि कानून और संविधान से जुड़ा है। उन्होंने दावा किया कि जमीन के रिकॉर्ड में वहीद खान और याकूब खान के नाम दर्ज हैं। मसूद ने यह भी कहा कि मस्जिद वक्फ बोर्ड में पंजीकृत है और वक्फ बोर्ड को मामले में पक्षकार नहीं बनाया गया।

कोर्ट में लड़ेंगे कानूनी लड़ाई : इकरा हसन



शामली, एजेसी। सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में बनी मस्जिद पर बुलडोजर कार्रवाई के बाद सियासत तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी की सांसद इकरा हसन ने कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए इसे तानाशाही बताया और कहा कि पार्टी इस मामले में अदालत का रुख करेगी।

इकरा हसन ने आरोप लगाया कि उन्हें सहारनपुर जाने से रोकने के लिए उनके घर के बाहर पुलिस तैनात की गई और पार्टी के कई नेताओं को नजरबंद किया गया। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थल को पर्याप्त समय दिए बिना ध्वस्त किया गया। उनके मुताबिक, मस्जिद पुरानी है और मामले में प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट तथा वक्फ बाई यूजर जैसे कानूनी प्रावधानों पर भी विचार होना चाहिए था।

सपा सांसद ने कहा कि उन्होंने पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत लखनऊ में पार्टी नेतृत्व को पूरे मामले से अवगत कराया है। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित पक्ष को कानूनी प्रक्रिया के लिए पर्याप्त मोहलत नहीं दी गई।

इकरा हसन ने कहा कि कार्रवाई से एक खास समुदाय प्रभावित हुआ है और इससे धार्मिक तनाव बढ़ने की आशंका है। उन्होंने कहा कि प्रशासन को ऐसे मामलों में संवेदनशीलता के साथ संविधान और कानून के प्रावधानों का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि मस्जिद ध्वस्तीकरण के खिलाफ पार्टी अदालत में कानूनी लड़ाई लड़ेगी।

पुणे केतन अग्रवाल हत्याकांड में तीसरी गिरफ्तारी, दोस्त रितेश हिंगे दबोचा

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे स्थित लोहगढ़ किले में रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल की हत्या के मामले में पुलिस ने तीसरे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रितेश हिंगे के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, रितेश मुख्य आरोपी चेतन चौधरी का दोस्त है और हत्या की साजिश में उसकी भी भूमिका थी। इस मामले में पुलिस इससे पहले केतन की मंगेतर सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन चौधरी को गिरफ्तार कर चुकी है। रितेश की गिरफ्तारी के बाद पुलिस अब हत्या की पूरी साजिश और आरोपियों की भूमिका की जांच में जुटी है।

एलआईसी को ICICI बैंक में 9.99% हिस्सेदारी बढ़ाने की मंजूरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सरकारी स्वामित्व वाली बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को आईसीआईसीआई बैंक की चुकता शेयर पूंजी या वोटिंग राइट्स में कुल 9.99 प्रतिशत तक हिस्सेदारी हासिल करने की मंजूरी दे दी है। यह जानकारी निजी क्षेत्र के बैंक ने शनिवार को दी। आईसीआईसीआई बैंक ने बताया कि उसे आरबीआई की ओर से जारी मंजूरी पत्र की प्रति मिल गई है।

हरियाणा के अनिल कौशिक सहित 48 को मिला राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। शिक्षक दिवस के मौके पर शनिवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हरियाणा के रोहतक जिले के राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सांघी के गणित शिक्षक अनिल कौशिक और पंजाब से दिनेश कुमार सहित 48 शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में पुरस्कार विजेता शिक्षकों को बधाई दी। राष्ट्रपति ने कहा कि निष्ठावान शिक्षक अग्रणी पंक्ति के राष्ट्र निर्माता होते हैं। राष्ट्रपति ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि देश के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्ण की जयंती को शिक्षक दिवस के रूप में मनाकर हमारे देशवासी उनके और समस्त शिक्षक समुदाय के प्रति सम्मान व्यक्त



करते हैं। जो समाज शिक्षकों का सम्मान करता है, वह वास्तव में प्रगतिशील होता है। राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षकों के बीच आकर मेरे अंदर विद्यमान शिक्षक और विद्यार्थी जीवंत हो जाता है।

शोपियां में संदिग्ध 'त्राथ गोला' मामले में सात गिरफ्तार

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में पुलिस ने दुर्लभ उल्कापिंड पत्थर के रूप में पेश किए जा रहे संदिग्ध 'त्राथ गोला' के लेन-देन के मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से पांच लाख रुपये नकद और एक पत्थर से भरा बक्सा भी बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई हीरपोरा इलाके में की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जहूर अहमद भट, सफीरुद्दीन मीर, अब्दुल रशीद किरमानी, मोहम्मद शफी मीर, इम्तियाज अहमद बकलू, अर्शीद अहमद वानी और सैयद गुलजार अहमद के रूप में हुई है। सभी को पूछताछ और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए हीरपोरा थाने लाया गया है।

प्रारंभिक जांच में पुलिस ने घटनास्थल से पांच लाख रुपये नकद बरामद किए। इसके साथ एक बक्सा मिला, जिसमें मौजूद पत्थर को कथित तौर पर दुर्लभ और कीमती ह्यत्राथ गोलाह्न बताकर सौदा किया जा रहा था। पुलिस ने जांच के लिए दो वाहनों को भी कब्जे में लिया है।

मामले में हीरपोरा थाने में संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस लेन-देन से जुड़े तथ्यों और आरोपियों की भूमिका की जांच कर रही है।

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि दुर्लभ या कीमती उल्कापिंड पत्थरों के नाम पर किए जा रहे दावों से सावधान रहें और किसी भी वित्तीय लेन-देन से पहले संबंधित वस्तु की प्रामाणिकता और कीमत सक्षम अधिकारियों से सत्यापित कर लें।

मानसून से कोयला उत्पादन प्रभावित, बिजली संयंत्रों में स्टॉक घटा

नई दिल्ली, एजेंसी। मानसून के दौरान देश के कई हिस्सों में लगातार हुई बारिश का असर कोयला उत्पादन और उसकी ढुलाई पर पड़ा है। ताप बिजली संयंत्रों के पास कोयले का औसत स्टॉक दो महीने पहले के 17 दिनों से घटकर अब करीब नौ दिनों का रह गया है। हालांकि, कोयला मंत्रालय का कहना है कि पूर्वी-मध्य भारत के प्रमुख कोयला क्षेत्रों में बारिश कम होने के साथ उत्पादन और ढुलाई में तेजी आने लगी है।

मंत्रालय के अनुसार सितंबर के शुरूआती तीन बारिश वाले दिनों में कोयले का औसत दैनिक उत्पादन करीब 13.6 लाख टन रहा, जो चार सितंबर को बढ़कर लगभग 17 लाख टन पहुंच गया। मंत्रालय को उम्मीद है



कि अगले सप्ताह खदानों के आसपास जमीन सूखने के साथ कोयले की ढुलाई और तेज होगी तथा बिजली संयंत्रों तक आपूर्ति में सुधार आएगा।

कोयला मंत्रालय और बिजली मंत्रालय के आंकड़ों से पता चलता है कि जुलाई-अगस्त 2026 के दौरान एक ओर बिजली की मांग रिकॉर्ड स्तर पर रही, वहीं कोयला उत्पादन पिछले वर्ष की तुलना में कम हुआ। इसके कारण ताप बिजली संयंत्रों के पास कोयले का भंडार घटा है।

कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने अपने उपलब्ध स्टॉक से बिजली संयंत्रों को लगातार कोयले की आपूर्ति बनाए रखी है। चालू वित्त वर्ष के अप्रैल से अगस्त के बीच सीआईएल ने 32.29 करोड़ टन कोयले की आपूर्ति की, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 30.26 करोड़ टन की तुलना में 6.70 प्रतिशत अधिक है।

अगस्त 2026 में कुल 6 करोड़ टन कोयले की आपूर्ति की गई, जो पिछले वर्ष अगस्त की तुलना में 5.50 प्रतिशत अधिक है। बिजली क्षेत्र को इस दौरान 4.485 करोड़ टन कोयला मिला, जो पिछले साल की तुलना में 4.5 प्रतिशत अधिक है।

अगले सप्ताह बढ़ सकती है आपूर्ति

सरकार का कहना है कि खदान क्षेत्रों में बारिश और गीलापन कम होने के साथ कोयला उत्पादन और परिवहन में तेजी लाई जा रही है। बिजली संयंत्रों को उनके वार्षिक अनुबंध की मात्रा से अधिक कोयला लेने की अनुमति भी दी गई है। इससे बिजली क्षेत्र में मांग बढ़ने की स्थिति में अतिरिक्त आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

मंत्रालय को उम्मीद है कि मौसम में सुधार के साथ आने वाले दिनों में कोयला उत्पादन और ढुलाई दोनों में तेजी आएगी और ताप बिजली संयंत्रों के घटते स्टॉक को फिर से मजबूत किया जा सकेगा।

गोरक्षपीठ में सीएम योगी ने मनाया गोपाल का प्राकट्योत्सव

महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में बाल गोपाल को दुलारकर भजनों का भी आनंद उठाया गोरक्षपीठाधीश्वर ने

गर्गाचार्य टाइम्स

गोरखपुर। भक्ति, प्रेम व धर्म के शाश्वत आलोक, गोपाल, जगतपाल, पूर्ण परब्रह्म, भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्योत्सव का पवित्र पर्व श्रीकृष्ण जन्माष्टमी शिवावतार महायोगी गोरखनाथ की साधनास्थली गोरखनाथ मंदिर में पारंपरिक श्रद्धा, भव्यता एवं हर्षोल्लास से मनाया गया। गोरक्षपीठ के इस पारंपरिक कार्यक्रम का नेतृत्व करने के लिए गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार रात लखनऊ से गोरखपुर पहुंचे।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार सुबह से मध्य रात्रि तक, मथुरा से लेकर लखनऊ और गोरखपुर तक, समस्त योगियों के परमेश्वर माने जाने वाले योगेश्वर श्रीकृष्ण की साधना में रमे रहे। सुबह उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा स्थित जन्मभूमि मंदिर में कान्हा की विधि विधान से आराधना कर प्रदेशवासियों के सुखमय जीवन की प्रार्थना की। शाम को वह लखनऊ पुलिस लाइन में आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी समारोह में सम्मिलित हुए और फिर रात में गोरखनाथ मंदिर पहुंचकर उन्होंने पारंपरिक श्रीकृष्ण जन्मोत्सव समारोह में प्रभु के प्राकट्य अनुष्ठान को पूर्ण कराया।

गोरखनाथ मंदिर पहुंचने पर मुख्यमंत्री ने सबसे पहले शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन किया। इसके बाद उन्होंने अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि पर मत्था टेक पुष्पार्चन किया, उनका आशीर्वाद लिया।

गोरखनाथ मंदिर में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के पावन उपलक्ष्य में महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में भजन संध्या का आयोजन किया गया था। मुख्यमंत्री यहां पहुंचे और सुमधुर भजनों का आनंद उठाते हुए राधा-कृष्ण बने बच्चों को दुलारकर उन्हें उपहार देते रहे।

गोरक्षपीठाधीश्वर ने मध्य रात्रि गोरखनाथ मंदिर के गर्भगृह में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर विधि विधान से विशिष्ट पूजा अर्चना की। रात 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य के बाद 'नंद घर आनंद भयो, जय कन्हैयालाल की' और श्रीकृष्ण गोविंद हरे मुरारी, हे नाथ नारायण वासुदेव की मंगल धुन, सोहर गीत और घंटों-घड़ियाल की ध्वनि के बीच गोरक्षपीठाधीश्वर उन्हें गोद में लेकर गर्भगृह से बाहर आए। सीएम योगी ने, प्रभु श्रीहरि के बाल स्वरूप लड्डू गोपाल को फूलों से सजे पालने में बैठाकर श्रद्धाभाव से उन्हें झुलाया और आरती उतारी। प्रभु श्रीकृष्ण का प्राकट्य अनुष्ठान पूर्ण होने के उपरांत मंदिर की तरफ से श्रद्धालुओं को फलाहार और प्रसाद वितरित किया गया।



गोरखनाथ मंदिर में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव परंपरागत रूप से धूमधाम से मनाया जाता है। इस अवसर पर मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में भजन संध्या कार्यक्रम सुपरिचित लोक गायक डॉ. राकेश श्रीवास्तव के संयोजन में शाम से ही जारी था। दूसरी तरफ श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का मुख्य धार्मिक अनुष्ठान मंदिर के गर्भगृह में रात करीब साढ़े ग्यारह बजे से प्रारंभ हुआ और ठीक मध्य रात्रि भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोपरांत मंगल गीत व प्रसाद वितरण के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रदेश सरकार के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक फतेह बहादुर सिंह, कई साधु-संत और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। मध्य रात्रि तक मंदिर परिसर श्रद्धालुओं से खचाखच भरा रहा।

राधा-कृष्ण बने बच्चों को मिला सीएम योगी का स्नेह व उपहार

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में भजन कीर्तन के मध्य श्रीकृष्ण रूप सज्जा प्रतियोगिता में राधा व कृष्ण बने बच्चों को खूब स्नेह दिया। उनसे खूब हंसी ठिठोली भी की। उन्हें खिलौने व चॉकलेट उपहार में दिए। इस दौरान कई मासूमों को अपनी गोद में लेकर वह काफी देर तक खिलाते रहे, प्यार-दुलार करते रहे। कुछ बच्चों ने सीएम योगी को दोहे और श्लोक सुनाए तो कुछ ने उनके साथ सेल्फी ली। मुख्यमंत्री सभी बच्चों का अनुरोध पूरा करते रहे।

बालरूप सज्जा नयनाभिराम

भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव पर गोरखनाथ मंदिर के ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित श्रीकृष्ण बालरूप सज्जा प्रतियोगिता में सजधज कर आए बच्चों ने लोगों का मन मोह लिया। प्रतियोगिता में कोई श्रीकृष्ण के रूप में था तो कोई राधा। इन बच्चों के वेश और रूप से सभागार एकबारगी गोकुल का भान करा रहा था। दो वर्गों में हुई इस प्रतियोगिता में शामिल सभी बच्चे कार्यक्रम का आकर्षण बढ़ा रहे थे। बाल रूप सज्जा प्रतियोगिता के कान्हा वर्ग में प्रथम पुरस्कार शर्विल पांडेय को, द्वितीय पुरस्कार सौम्या प्रजापति और तृतीय पुरस्कार हिमांशी श्रीवास्तव को दिया गया। गोपाल वर्ग में प्रथम पुरस्कार सार्थक, द्वितीय राजवीर और तृतीय पुरस्कार रूद्र को मिला। श्रीकृष्ण रूप सज्जा में विजेताओं को मुख्यमंत्री ने प्रशस्ति पत्र और उपहार देकर पुरस्कृत किया। निर्णायक की भूमिका सारिका राय, मनीषा सिंह और हृदया त्रिपाठी ने निभाई जबकि संचालन शिवेंद्र पांडेय ने किया।

भजनों में गूंजा जय कान्हा-श्याम

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में, डॉ. राकेश श्रीवास्तव के संयोजन में आयोजित भजन संध्या में कान्हा-श्याम की आराधना की गूंज रही। शुभारंभ पुनीत श्रीवास्तव ने एक सुमधुर भक्ति गीत से किया। इसके पश्चात हृदया त्रिपाठी व अनीता सिंह ने सोहर और लक्ष्मी गुप्ता ने बधाई गीत की कर्णप्रिय प्रस्तुति दी। गायक उमेश मिश्रा और एकता शुक्ला ने कृष्ण भजन सुनाकर सबको भाव विभोर कर दिया।

नरही में विद्यालय बंद किए जाने पर सपा का प्रदर्शन



गर्गाचार्य टाइम्स-लखनऊ: समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ0 सर्वपल्ली राधा कृष्णन की जयंती एवं शिक्षक दिवस के अवसर पर पाठषाला पुकारे कार्यक्रम के तहत समाजवादी पार्टी के लखनऊ से विधायक रविदास मेहरोत्रा के नेतृत्व में नरही में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लखनऊ मध्य विधानसभा क्षेत्र के हजरतगंज-नरही वार्ड में अगल-बगल स्थित राजकीय इंटर कॉलेज नरही एवं प्राथमिक विद्यालय नरही को बंद किए जाने के विरोध में दोनों विद्यालयों के बाहर बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के नेताओं, पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान पीडीए की पाठशाला भी लगाई गई। रविदास मेहरोत्रा ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में उत्तर प्रदेश में 26,000 स्कूल बंद किए गए हैं, जिससे गरीब, पिछड़े, दलित, वंचित और ढऊ्श समाज के बच्चों की शिक्षा का अधिकार प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी और अखिलेश यादव प्रदेश के मुख्यमंत्री बनेंगे तो बंद किए गए सभी 26,000 स्कूलों को फिर से खोला जाएगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में केजी से पीजी तक सभी छात्रों की शिक्षा निशुल्क करने की दिशा में काम किया जाएगा, ताकि किसी गरीब बच्चे को आर्थिक अभाव के कारण शिक्षा से वंचित न होना पड़े। इस अवसर पर पाठशाला में लखनऊ मध्य विधानसभा क्षेत्र के अध्यक्ष मोहम्मद अहमद, विधानसभा महासचिव श्री योगेंद्र यादव, विक्रमादित्य एवं महात्मा गांधी वार्ड के प्रभारी शनि कनौजिय, महिला सभा की राष्ट्रीय सचिव लता जयसवार, प्रदेश उपाध्यक्ष विजयलक्ष्मी, सलमान खान, तालिब सहित सभी वार्डों के अध्यक्षगण, क्षेत्रीय पदाधिकारी, समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

विवाहिता को ससुराल से निकाला, चार दिन से गेट के बाहर धरने पर बैठी महिला

गर्गाचार्य टाइम्स-फरह । थाना क्षेत्र के गांव झुड़ावई से रिश्तों को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। ससुराल वालों ने विवाहिता को घर से निकाल दिया। पीड़िता पिछले चार दिन से ससुराल के मुख्य गेट के बाहर धरने पर बैठकर न्याय की गुहार लगा रही है। पीड़िता ममता राणा ने बताया कि वह 2 सितंबर को दोपहर 3:30 बजे अपने ससुराल पहुंची थी। आरोप है कि उसके देवर नेत्रपाल उर्फ नीतू राणा और ससुर राजेंद्र राणा ने उसे घर में घुसने से रोक दिया। कमरों पर ताला लगा दिया। पति सौरभ राणा और देवर ने हाथ पकड़कर उसे सड़क पर निकाल दिया और गेट पर ताला लगाकर फरार हो गए। पीड़िता का आरोप है कि बिचौलिए सुरेंद्र सिंह उर्फ बच्चू, अंचल और बृजेश 20 लाख रुपये का लालच देकर उस पर तलाक लेने का दबाव बना रहे हैं। ममता ने आरोप लगाया कि उसके पति सौरभ राणा के मैनपुरी निवासी महिला ज्योति दुबे से वर्ष 2013 से संबंध हैं। इसकी जानकारी बिचौलियों को पहले से थी, फिर भी धोखे से 23 जून 2023 को उसकी शादी करा दी गई। पीड़िता का कहना है कि उसके पास मैसेज, कॉल डिटेल और फोटो जैसे साक्ष्य मौजूद हैं।

शिक्षक दिवस पर कलेक्ट्रेट सभागार में हुआ शिक्षक सम्मान समारोह, उत्कृष्ट शिक्षकों को किया सम्मानित

रिपोर्टर अरविन्द कुमार

फिरोजाबाद। शिक्षक दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सदर विधायक मनीष असीजा, जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा, मेयर कामिनी राठौर एवं अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व कल्पना जयसवाल की उपस्थिति में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का लखनऊ से सीधा प्रसारण भी उपस्थित लोगों ने देखा।

समारोह को संबोधित करते हुए सदर विधायक मनीष असीजा ने कहा कि समाज में शिक्षकों के प्रति सम्मान और निष्ठा लगातार बढ़ी है, जिसके लिए शिक्षक स्वयं बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि अन्य पेशों और प्रशासनिक पदों की तुलना में शिक्षकों को मां सरस्वती की कृपा से स्वतंत्रता एवं सम्मान के साथ अध्यापन कराने का अनूठा अवसर मिलता है। शिक्षक और विद्यार्थी के बीच अनुशासन, संवाद एवं स्नेह जीवनभर अमिट छाप छोड़ता है।जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने कहा कि शिक्षण कार्य केवल किसी विषय को पढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश और समाज के भविष्य का निर्माण करने जैसा पवित्र दायित्व है। उन्होंने कहा कि समारोह में दिया गया सम्मान प्रतीकात्मक है और इसके माध्यम से जनपद के सभी शिक्षकों का सम्मान निहित है। प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा बच्चों के जीवन और भविष्य की मजबूत नींव है।उन्होंने शिक्षकों से विद्यालयों में बेहतर शैक्षणिक वातावरण बनाने, स्मार्ट क्लास का प्रभावी उपयोग करने, निरंतर नया सीखने और प्रशिक्षणों का पूरा लाभ उठाकर विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने की अपील की। उन्होंने शिक्षकों से प्रधानमंत्री के संकल्प के अनुरूप प्रत्येक सप्ताह दो घंटे श्रमदान कर विद्यालय परिसर को स्वच्छ, सुंदर एवं सुव्यवस्थित रखने का आह्वान भी किया। मेयर कामिनी राठौर ने कहा कि शिक्षक समाज के आधार स्तंभ हैं। एक शिक्षक की गलती का प्रभाव केवल एक विद्यार्थी तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उससे सभ्य समाज और सशक्त राष्ट्र के निर्माण पर असर पड़ सकता है। इसलिए शिक्षकों की जिम्मेदारी समाज और राष्ट्र के प्रति अत्यंत महत्वपूर्ण है। समारोह में माध्यमिक शिक्षा के डॉ. सुनील यादव, डॉ. सीमा यादव, योगेंद्र सिंह, शिवांगी लवानिया, यतेंद्र कुमार, हिमांशु शर्मा, महेश चंद दुबे, नारायण सिंह एवं हरेंद्र सिंह सहित विभिन्न शिक्षकों को सम्मानित किया गया। वहीं उत्कृष्ट शिक्षण के लिए रश्मि सिंह, दीपक बंसल, अखिलेश कुमार एवं नेहा सक्सैना तथा विशेष स्वच्छता अभियान में बेहतर कार्य करने वाले विनोद कुमार, मनोज कुमार, हरिप्रसाद और मयंक रावत को भी सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम में जिला विद्यालय निरीक्षक मुदिता पांडे, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार सहित संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।



सामाजिक समरसता महासम्मेलन की तैयारी को लेकर मा.मंत्री होमगार्ड व नागरिक सुरक्षा धर्मवीर प्रजापति ने की बैठक, दीपावली बाद आगरा में होगा भव्य महासम्मेलन

ब्यूरो चीफ -विनोद कुमार आगरा आगरा : आगरा स्थित सर्किट हाउस में उत्तर प्रदेश सरकार के होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा (स्वतंत्र प्रभार) मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने आगामी नवंबर माह में प्रस्तावित सामाजिक समरसता महासम्मेलन की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक की। बैठक में संपूर्ण आगरा जनपद के स्वजातीय बंधुओं के साथ विस्तृत विचार-विमर्श कर कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। मंत्री जी ने बैठक में उपस्थित सभी लोगों से प्रस्तावित सामाजिक समरसता महासम्मेलन हेतु सुझाव लिए।



सामाजिक समरसता महासम्मेलन के भव्यता के साथ सफल,सकुशल संपादित करने हेतु स्थान, समय, आवश्यक व्यवस्थाएं बनाए जाने हेतु विचार विमर्श किया गया। सभी के प्राप्त सुझावों पर सर्वसम्मति से यह तय हुआ कि दीपावली के बाद आगरा में एक भव्य सामाजिक समरसता महासम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। बैठक में उपस्थित सभी लोगों ने इस निर्णय पर अपनी सहर्ष सहमति व्यक्त की। सभी स्वजातीय बंधुओं ने मंत्री जी को आश्वस्त किया कि पूरे मनोयोग से कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए वे सभी अभी से जुटकर संपर्क अभियान चलाकर जनसमर्थन सुनिश्चित कराया जाएगा। इस महत्वपूर्ण बैठक में आगरा जनपद की समस्त तहसीलों - आगरा सदर, एत्मादपुर, खेरागढ़, किरावली, फतेहाबाद, बाह सहित सभी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

विकसित भारतझविकसित उत्तर प्रदेश के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका: केशव प्रसाद मौर्य

गर्गाचार्य टाइम्स

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को अपने कैम्प कार्यालय 7- कालिदास मार्ग पर महान दार्शनिक, शिक्षाविद व विचारक डा० सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किये। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि डा०सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है।उनके जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए केशव मौर्य ने कहा कि उनका पूरा जीवन ही एक सन्देश है। उनका जीवन दर्शन आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में सुधार व उत्थान के लिए बहुत ही अनुकरणीय कार्य किये। उनके विचारों से समाज को , खासतौर से युवा पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है।

उप मुख्यमंत्री मौर्य ने शिक्षक दिवस के अवसर पर देश व समाज के निर्माण में शिक्षकों के योगदान की चर्चा की।कहा कि शिक्षक केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि समाज को सही दिशा देने में अहम् भूमिका निभाते हैं। समाज ने शिक्षकों को सम्मान व श्रद्धा के साथ विशेष स्थान देने का कार्य किया। उप मुख्यमंत्री ने शिक्षकों का आह्वान किया और अपील भी की, कि शिक्षक बच्चों को उन लोगो के बारे में बतायें, जिन्होंने संघर्ष से तपकर, जमीन से जुड़कर सफलता प्राप्त की, कहा कि छात्रों को इतिहास व संस्कृति के बारे में जानने के लिए प्रेरित करें, प्रोत्साहित करें।



उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि आज का दिन हम सबके लिए अत्यंत विशेष और प्रेरणादायी है। 5 सितम्बर को हम डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की जयंती को शिक्षक दिवस के रूप में मनाते हैं। यह दिन हमें शिक्षा के महत्व, गुरुजनों के आदर्श और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को स्मरण कराता है। भारत की संस्कृति में गुरु को "गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुदेवो महेश्वरः" के रूप में पूजनीय स्थान दिया गया है। वास्तव में शिक्षक ही वह व्यक्तित्व हैं, जो अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर ज्ञान का प्रकाश फैलाते हैं।भावी पीढ़ी के जीवन की दिशा शिक्षक तय करते हैं। जिस प्रकार दीपक स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश देता है, उसी प्रकार शिक्षक स्वयं कठिनाइयों का सामना कर समाज और देश को उज्ज्वल भविष्य प्रदान करते हैं। आज प्रदेश और देश तेजी से विकास कर रहा है। विकसित भारत झ विकसित उत्तर प्रदेश के संकल्प को पूरा करने में शिक्षा व शिक्षको की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है। सरकार का पूरा प्रयास है कि प्रदेश के हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। नई शिक्षा नीति के माध्यम से हमने परम्परागत ज्ञान और आधुनिक तकनीक का समन्वय किया है,ताकि आने वाली पीढ़ी आत्मनिर्भर और राष्ट्रनिर्माण में सक्षम हो सके। हमारे शिक्षक समाज सुधारक भी हैं। वे केवल पढ़ाई ही नहीं कराते, बल्कि संस्कार, मूल्य, अनुशासन और चरित्र निर्माण का कार्य भी करते हैं। यही कारण है कि हर महान व्यक्तित्व के पीछे एक महान शिक्षक होता है। कहा कि गुरू का स्थान भगवान से भी ऊपर माना गया है। उन्होंने कहा कि कोई भी देश शिक्षा के बिना उन्नति नहीं कर सकता है और शिक्षा की मजबूत नीव डालने का काम शिक्षकों के द्वारा किया जाता है।

सभी 81 शिक्षकों को सीएम योगी ने अपने हाथों से दिया पुरस्कार

गर्गाचार्य टाइम्स

गोरखपुर। शिक्षा व्यवस्था के उत्थान और शिक्षकों के सम्मान के प्रति मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कितने संवेदनशील हैं, इसकी बानगी शनिवार को शिक्षक दिवस पर योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित सम्मान समारोह में देखने को मिली। राज्य अध्यापक पुरस्कार और मुख्यमंत्री अध्यापक पुरस्कार के लिए चयनित सभी 81 शिक्षकों को सीएम ने अपने हाथों पुरस्कार दिया, जबकि तय कार्यक्रम के अनुसार उन्हें सिर्फ 10 शिक्षकों को ही सम्मानित करना था। मुख्यमंत्री की इस पहल से प्रदेश भर से आए शिक्षक मुदित हो गए।

सीएम योगी को मंच पर राज्य अध्यापक पुरस्कार के लिए चयनित बेसिक शिक्षा विभाग के 5 और माध्यमिक शिक्षा विभाग के 5 यानी कुल 10 शिक्षकों को ही अपने हाथ से पुरस्कृत करना था। पर, जब शिक्षकों को पुरस्कृत करने की बारी आई तो मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि सभी चयनित 81 शिक्षकों की भावनाओं का सम्मान किया जाएगा और वह सभी को खुद पुरस्कृत करेंगे। इसके बाद पहले से तय 10 शिक्षकों के बाद सीएम योगी ने अन्य सभी 71 शिक्षकों को भी मंच पर बुलवाकर खुद पुरस्कृत किया।

मुख्यमंत्री ने पुरस्कृत हुए शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार राशि के रूप में 25 हजार रुपये का प्रतीकात्मक चेक सौंपा। महिला शिक्षकों को माध्यमिक शिक्षा मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी ने और पुरुष शिक्षकों को बेसिक शिक्षा मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने अंगवस्त्र पहनाया। बाद में सभी पुरस्कृत शिक्षकों को मां सरस्वती की प्रतिमा भी भेंट की गई। उल्लेखनीय है कि राज्य स्तरीय पुरस्कार प्राप्त इन शिक्षकों को आजीवन उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों में प्रतिवर्ष 4000 किलोमीटर की निशुल्क यात्रा की सुविधा मिलेगी। साथ ही इनकी सेवानिवृत्ति की सीमा भी दो वर्ष बढ़ जाएगी।

बेसिक शिक्षा के इन शिक्षकों को सीएम योगी ने दिया राज्य अध्यापक पुरस्कार

1. संगीता शर्मा (प्रधानाध्यापक, प्राथमिक विद्यालय धनौली, अकोला, आगरा)
2. गीता वर्मा (सहायक अध्यापक, प्राथमिक विद्यालय चौबारा, गजरौला, अमरोहा)
3. प्रीति मिश्रा (सहायक अध्यापक, पीएम श्री उच्च विद्यालय बेलवा, पयागपुर, बहराइच)
4. सलमा खान (सहायक अध्यापक, कम्पोजिट विद्यालय आदर्श, नगर क्षेत्र, बलरामपुर)
5. उर्मिला देवी (सहायक अध्यापक, उच्च प्राथमिक विद्यालय खेमईपुर, भदोही)
6. रचना कपूर (सहायक अध्यापक, उच्च प्राथमिक विद्यालय नंगली छोइया, हल्दौर, बिजनौर)
7. किरन देवी (प्रधानाध्यापक, उच्च प्राथमिक विद्यालय अंबियापुर, बदायूं)
8. जूही मलिक (सहायक अध्यापक, उच्च प्राथमिक विद्यालय स्याना, बुलंदशहर)
9. उषा सिंह (सहायक अध्यापक, पूर्व माध्यमिक विद्यालय सैदपुर, शहबादगंज, चंदौली)
10. गीता वर्मा (सहायक अध्यापक, कम्पोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय अमानाबाद, फरुर्खाबाद)
11. अर्चना पांडेय (सहायक अध्यापक, कम्पोजिट स्कूल पर्थला खंजरपुर, गौतमबुद्धनगर)
12. ज्योत्स्ना गोस्वामी (प्रधानाध्यापक, प्राथमिक विद्यालय ननकागढ़ी, राजापुर, गाजियाबाद)



13. शुचि त्यागी (सहायक अध्यापक, कम्पोजिट विद्यालय पिपलैडा, दहौलाना, हापुड़)
14. विजया अवस्थी (सहायक अध्यापक, संविलियन विद्यालय मंसूरनगर, पिहानी, हरदोई)
15. पल्लवी चतुर्वेदी (सहायक अध्यापक, उच्च प्राथमिक विद्यालय सासनी, हाथरस)
16. प्रीति श्रीवास्तव (सहायक अध्यापक, कम्पोजिट विद्यालय पठाकरका, बंगरा, झांसी)
17. डॉ. सुमनलता यादव (प्रधानाध्यापक, प्राथमिक विद्यालय कुंवरपुर बनवारी, छिबरामऊ, कन्नौज)
18. डॉ. कामायनी शर्मा (सहायक अध्यापक, संविलियन विद्यालय औरोताहरपुर, ककवन, कानपुर नगर)
19. सुमन कुशवाहा (प्रधानाध्यापक, प्राथमिक विद्यालय भगवानपुर, नेवादा, कौशाम्बी)
20. प्रीति गुप्ता (प्रधानाध्यापक, प्राथमिक विद्यालय चौकी बस स्टैंड, बिरधा, ललितपुर)
21. विनीता (सहायक अध्यापक, प्राथमिक विद्यालय अमेठी उर्दू, गोसाईगंज, लखनऊ)
22. सीमा कुमारी (प्रधानाध्यापक, प्राथमिक विद्यालय महटौली, घिरोर, मैनपुरी)
23. प्रतिभा रानी भारती (सहायक अध्यापक, प्राथमिक विद्यालय, हर्रा, सरूरपुर, मेरठ)
24. सुनीता रानी (सहायक अध्यापक, उच्च प्राथमिक विद्यालय सिरसवां, भगतपुर, मुरादाबाद)
25. आरती शर्मा (प्रधानाध्यापक, प्राथमिक विद्यालय रुस्तमगढ़, मुज्जफरनगर)
26. वैलेंटिना विक्टर (प्रधानाध्यापक, प्राथमिक विद्यालय अहमदनगर, नगर क्षेत्र, रामपुर)
27. अमिता टंडन (प्रधानाध्यापक, कम्पोजिट विद्यालय राजपुर रानी, श्रावस्ती)
28. मीरा सिंह (सहायक अध्यापक, उच्च प्राथमिक विद्यालय गड़ईडीह, चोपन, सोनभद्र)
29. प्रीति भारती (सहायक अध्यापक, उच्च प्राथमिक विद्यालय नेवलगंज, हसनगंज, उन्नाव)
30. नीलम राय (सहायक अध्यापक, प्राथमिक विद्यालय मंडुआडीह, वाराणसी)
31. सय्यदा (प्रधानाध्यापक, प्राथमिक विद्यालय पिपरिया अगरु, मरौरी, पीलीभीत)
32. सुनीत मित्र पांडेय (प्रधानाध्यापक, प्राथमिक विद्यालय गोकुला, नवाबगंज, गोंडा)
33. अमर सिंह (प्रधानाध्यापक, उच्च प्राथमिक विद्यालय बहरावद, अतरौली, अलीगढ़)
34. राम मिलन गुप्ता (सहायक अध्यापक, कम्पोजिट उच्च विद्यालय, नसीरपुर छितौना, जहांगीरगंज, अम्बेडकरनगर)
35. पंकज कुमार द्विवेदी (प्रधानाध्यापक, प्राथमिक विद्यालय, ठेउंगा, सोहावल, अयोध्या)
36. प्रदीप कुमार सिंह (सहायक अध्यापक, कम्पोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय भैरवपुर, कोयलसा, आजमगढ़)
37. अजीत कुमार श्रीवास्तव (सहायक अध्यापक, उच्च प्राथमिक विद्यालय, इब्राहिमाबाद, मुरली छपरा, बलिया)
38. राहुल कुमार शुक्ल (प्रधानाध्यापक, प्राथमिक विद्यालय बहुता, त्रिवेदीगंज, बाराबंकी)
39. हरिशंकर त्रिपाठी (प्रधानाध्यापक, उच्च प्राथमिक विद्यालय गढ़चपा, मानिकपुर, चित्रकूट)
40. ओमवीर सिंह (प्रधानाध्यापक, पीएम श्री उच्च प्राथमिक विद्यालय पिदौरा, मरेहरा, एटा)
41. वीरेंद्र सिंह (सहायक अध्यापक, उच्च प्राथमिक विद्यालय ताखा, इटावा)
42. आनंद कुमार मिश्र (सहायक अध्यापक, प्राथमिक विद्यालय मलूकपुर, ऐरायां, फतेहपुर)
43. संतोष कुशवाहा (सहायक अध्यापक, कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालय मनिहारी, गाजीपुर)
44. नीतिराज सिंह (प्रधानाध्यापक, प्राथमिक विद्यालय, चुनकी का डेरा, सुमेरपुर, हमीरपुर)
45. राजेश कुमार उपाध्याय (सहायक अध्यापक, पूर्व माध्यमिक विद्यालय बारीगांव, घुघली, महराजगंज)
46. संजय कुमार मिश्र (प्रधानाध्यापक, कम्पोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय गरियांव, मुंगरा बादशाहपुर, जौनपुर)
47. विनीत कुमार मिश्र (सहायक अध्यापक, उच्च प्राथमिक विद्यालय अन्ता, रसूलाबाद, कानपुर देहात)
48. धनंजय प्रताप सिंह (प्रधानाध्यापक, प्राथमिक विद्यालय सलेमपुर लाला, कासगंज)

प्रदेश का पहला मल्टीयूनिट प्लांट छाता में स्थापित होगा, हजारों लोगों का रोजगार एवं लाखों किसानों को होगा लाभः मंत्री लक्ष्मी नारायण

ललित उपाध्याय, संवाददाता
मथुरा 5 सितम्बर को कलेक्ट्रेट सभागार में मंत्री गन्ना विकास एवं चीनी मिलें लक्ष्मी नारायण चौधरी की अध्यक्षता में एक प्रेस-वार्ता आयोजित की गई।जिसमें में विधायक बल्देव पूरन प्रकाश, विधायक गोवर्धन मेघश्याम सिं और जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह उपस्थित रहे।

इस दौरान मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने कहा कि मथुरा जनपद के तहसील छाता में तीन चरणों में मल्टीयूनिट चीनी मिल प्लांट स्थापित किया जायेगा, जिसके प्रथम प्रथम चरण में 120 के0एल0पी0डी0 का एथनॉल प्लांट लगेगा जो गन्ना के शीरा (बी-हैवी) से एथनॉल उत्पादन करेगा और जब गन्ना नही मिलेगा तो मक्का व धान से एथनॉल उत्पादन होगा। एथनॉल प्लांट वर्ष में 11 माह चलेगा, जिससे 369 लाख लीटर एथनॉल का उत्पादन होगा। एथनॉल प्लांट का शिलान्यास मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किया जाएगा।

द्वितीय चरण में जब गन्ना का उत्पादन भरपूर होने लगेगा तो चीनी मिल का प्लांट लगेगा जिससे गन्ने से चीनी उत्पादन होगा। तृतीय चरण में को-जनरेशन प्लांट लगेगा जिससे बिजली का उत्पादन होगा। इस प्रकार उत्तर प्रदेश में तीनों प्लांट चलाने वाली छाता में एक मात्र अद्वितीय इकाई की स्थापना



होगी, जिससे हजारों लोगों को रोजगार के साथ-साथ लाखों लोगों/किसानों को लाभ होगा।

प्रदेश में गन्ना, मक्का व धान से चलने वाला यह पहला एक मात्र प्लांट जनपद मथुरा के छाता में लगेगा। वही मंत्री ने चीनी मिल छाता के गेट पर धरना दे रहे पूर्व सैनिकों से अनुरोध किया कि धरना समाप्त कर चीनी मिल प्लांट की स्थापना में सहयोग प्रदान करें। इस प्रकार उक्त मल्टीयूनिट प्लांट की स्थापना से पर्याप्त एथनॉल उत्पादन, चीनी उत्पादन एवं बिजली उत्पादन के साथ-साथ क्षेत्र में रोजगार के नये-नये अवसर भी बनेंगे। उन्होंने कहा कि उक्त यूनिट चालू होने से किसानों को लाभ मिलेगा और उनकी समस्याओं का निदान भी सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निदेशों के क्रम ने उक्त यूनिट का संचालन शीघ्र चालू होगा। मंत्री ने अवगत कराया कि उक्त परियोजन की लागत लगभग रुपए 200 से 250 करोड़ होगी। उक्त प्लांट एक्टेंशन प्लांट होगा, जैसे गन्ने का उत्पादन बढ़ेगा, वैसे ही द्वितीय चरण लगाया जाएगा। मंत्री ने सभी को अवगत कराया कि छाता चीनी मिल को चालू कराने हेतु 6 बार टेंडर की प्रक्रिया को किया गया था। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 6 बार विज्ञापन के माध्यम से टेंडर निकाला गया, परन्तु किसी के द्वारा उक्त टेंडर हेतु आवेदन नहीं किया गया। उन्होंने बताया कि उक्त प्लांट 3 चरणों में 2 वर्षों में पूर्ण किया जाएगा। उक्त प्लांट का कार्य पार्टनरशिप में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मथुरा क्षेत्र में गन्ना के अधिकाधिक उत्पादन हेतु किसानों को प्रोत्साहित किया जाएगा तथा विभाग द्वारा गन्ना बीज उपलब्ध कराया जाएगा। मंत्री ने अवगत कराया कि जनपद में जिला गन्ना अधिकारी के पद के साथ-साथ 16 अन्य कर्मचारी कार्यरत है। उन्होंने बताया कि जनपद में 02 गन्ना क्रय केंद्र संचालित है।

शिक्षक ज्ञान और संस्कार से गढ़ते हैं राष्ट्र का भविष्य



गर्गाचार्य टाइम्स-वृंदावन। शिक्षक केवल विद्यार्थियों को शिक्षा देने का कार्य नहीं करते, बल्कि उनमें ज्ञान, संस्कार और अनुशासन का विकास कर उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षक राष्ट्र के निमार्ता भी हैं। यह विचार संस्कार भारती के अध्यक्ष एवं मुख्य अतिथि ब्रज किशोर त्रिपाठी ने शिक्षक दिवस के अवसर पर वृंदावन सेवा संस्थान की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में व्यक्त किए।

गोपाल वाटिका स्थित वृंदावन सेवा संस्थान (रजि.) की ओर से आयोजित कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पांच शिक्षाविदों को सम्मानित किया गया। चंद्र प्रकाश द्विवेदी, बांके बिहारी शर्मा, डॉ. राकेश सारस्वत, श्याम प्रकाश पांडे और कौशल किशोर भट्ट को सम्मान-पत्र एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर उनके योगदान की सराहना की गई।

संस्थान के अध्यक्ष लक्ष्मण सर्राफ ने कहा कि शिक्षकों का सम्मान वास्तव में ज्ञान और संस्कार की उस परंपरा का सम्मान है, जो समाज और राष्ट्र को दिशा प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।

संस्थान के निदेशक विश्व नाथ गुप्ता ने बताया कि वृंदावन सेवा संस्थान शिक्षा के साथ समाज सेवा, पर्यावरण संरक्षण और बालिका सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने संस्थान की आगामी गतिविधियों और सामाजिक सरोकारों की जानकारी दी।

कार्यक्रम का संचालन विश्व नाथ गुप्ता ने किया। समारोह में उपस्थित अतिथियों ने सम्मानित शिक्षाविदों को शुभकामनाएं देते हुए उनके योगदान की सराहना की। कार्यक्रम में शिक्षक दिवस की भावना के अनुरूप शिक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की गई।

मथुरा में पहली बार आसमान में साकार हुई श्रीकृष्ण की लीलाएं, ड्रोन शो ने मोहा श्रद्धालुओं का मन







गर्गाचार्य टाइम्स
मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा में जन्माष्टमी के उल्लास के बीच पहली बार आयोजित भव्य ड्रोन शो ने श्रद्धालुओं को अद्भुत आध्यात्मिक अनुभूति कराई। आकाश में सैकड़ों ड्रोन की रोशनी से भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न लीलाओं और स्वरूपों का सजीव प्रदर्शन किया गया। आसमान में जगमगाती आकृतियों को देखकर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंत्रमुग्ध नजर आए। ब्रज तीर्थ विकास परिषद की ओर से आयोजित इस विशेष ड्रोन शो में करीब 500 ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। शाम ढलते ही आसमान में रंग-बिरंगी रोशनियों के बीच श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं से लेकर उनके विभिन्न दिव्य स्वरूपों को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम देखने के लिए शहर के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और देर रात तक आसमान की ओर टकटकी लगाए रहे।

ड्रोन शो की शुरूआत मोर की आकृति से हुई। इसके बाद यशोदा मैया के साथ बाल कृष्ण, माखन चोरी करते कान्हा, गोपियों के साथ उनकी लीलाएं और अन्य धार्मिक प्रसंग आसमान में जीवंत होते दिखाई दिए। कृष्ण जन्म से जुड़े प्रसंगों को भी रोशनी और तकनीक के माध्यम से बेहद आकर्षक अंदाज में प्रस्तुत किया गया। आकाश में बनी विशाल आकृतियां कुछ ही क्षणों में भगवान श्रीकृष्ण के अलग-अलग स्वरूपों में परिवर्तित होती रहीं, जिसे देखकर श्रद्धालुओं ने जय श्रीकृष्ण के उद्घोष किए।

कार्यक्रम के दौरान कृष्ण के जन्म के बाद वसुदेव द्वारा उन्हें यमुना पार ले जाने और शेषनाग द्वारा बाल कृष्ण की रक्षा करने का दृश्य भी ड्रोन के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। इसके साथ ही कृष्ण की बाल लीलाओं और ब्रज संस्कृति से जुड़े प्रसंगों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। बारिश के कारण कार्यक्रम के दौरान कुछ समय के लिए व्यवधान भी आया और लोगों की चिंता बढ़ गई, लेकिन मौसम साफ होने के बाद ड्रोन शो दोबारा शुरू हुआ। देर रात तक चले इस आयोजन ने जन्माष्टमी के उत्सव में एक नया आकर्षण जोड़ दिया। आसमान में दिखाई दे रही रोशनी से सजी कृष्ण की लीलाओं को श्रद्धालुओं ने अपने मोबाइल कैमरों में भी कैद किया।

ड्रोन शो के माध्यम से ब्रज की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को आधुनिक तकनीक के साथ प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम के समापन पर आकाश में ब्रज तीर्थ विकास परिषद के प्रति आभार का संदेश भी प्रदर्शित किया गया। इस आयोजन ने जन्माष्टमी के अवसर पर मथुरा आने वाले श्रद्धालुओं के लिए उत्सव को और भी यादगार बना दिया।

वृंदावन में नील माधव मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का भव्य समापन



गर्गाचार्य टाइम्स-वृंदावन। श्री धाम वृंदावन स्थित ठाकुर श्री राधा नील माधव जी महाराज मंदिर में आयोजित तीन दिवसीय श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव शनिवार को धूमधाम से संपन्न हो गया। समापन समारोह में उत्तर प्रदेश सरकार के श्रम एवं सेवायोजन राज्यमंत्री ठा. रघुराज सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।इस अवसर पर राज्यमंत्री ठा. रघुराज सिंह ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें धर्म, सत्य और कर्तव्य का मार्ग दिखाता है।उन्होंने वृंदावन को सनातन संस्कृति की जीवंत धरोहर बताते हुए कहा कि ऐसे पर्व युवा पीढ़ी को देश की सांस्कृतिक परंपरा से जोड़ते हैं। कार्यक्रम में महाराज श्री प्रणव अवस्थी ने भी भक्तों को संबोधित करते हुए अपने भीतर श्रीकृष्ण के दिव्य संदेश को जागृत करने का आह्वान किया।तीन दिनों तक चले इस महोत्सव में महाभिषेक, श्रीकृष्ण कथा, संकीर्तन, बच्चों की फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, नंदोत्सव और दही हांडी जैसे धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें देश-विदेश से आए सैकड़ों श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

पार्वती बांध में पानी फु ल दो गेट खोलकर पानी निकासी



गर्गाचार्य टाइम्स-मथुरा : जिले के सर मथुरा में स्थित पार्वती बांध के जल स्तर में भारी बढ़ोतरी के चलते इस मानसून सीजन में पहली बार शाय4:30बजे बांध के दो गेट खोलकर दो-दो फीट पानी निकासी की जा रही है पार्वती बांध का वर्तमान जलस्तर 222 पॉइंट 97 मीटर दर्ज किया गया है इसके कुल दो गेट खोले गए हैं बांध का पानी रिजर्व वायरके बेहद करीब पहुंच चुका है दोनों गेटों को खोले जाने के बाद बाधसे लगभग 2200.76 क्यूसेक पानी पार्वती नदी में रिलीज किया जा रहा है बांध के कैचमेंटएरिया में पानी की आवक लगातार हो रही है इसे देखते हुए प्रशासन एवं जल संसाधन विभाग ने सायरन बजाकर निचले इलाकों एवं पार्वती नदी के आसपास रहने वाले के लिए अलर्ट जारी कर दिया है

नंदोत्सव में भक्ति के रंग में रंगा वृंदावन, बधाई गीतों पर झूमे श्रद्धालु





गर्गाचार्य टाइम्स
वृंदावन। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के उपरांत शुक्रवार को वृंदावन के प्राचीन श्री राधा दामोदर मंदिर में नंदोत्सव का उल्लास देखने को मिला। बाल गोपाल के जन्म की खुशी में आयोजित उत्सव में सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी। धार्मिक अनुष्ठानों, बधाई गायन और भजनों के बीच वातावरण पूरी तरह कृष्णमय नजर आया।

नंदोत्सव के अवसर पर मंदिर में समाज गायन की परंपरा का निर्वहन करते हुए कलाकारों और गायकों ने श्रीकृष्ण जन्म की बधाइयां प्रस्तुत कीं। मधुर भजनों और पारंपरिक पदों के बीच श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूमते दिखाई दिए। मंदिर परिसर में जब भक्तों ने सामूहिक रूप से श्रीकृष्ण के जयकारे लगाए तो वातावरण भक्तिमय हो उठा।

ठाकुर श्री राधा दामोदर लाल के विशेष दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। दूर-दराज के शहरों के अलावा विभिन्न स्थानों से आए भक्तों ने कतार में लगकर आराध्य के दर्शन किए। बाल स्वरूप में ठाकुर जी के मनोहारी दर्शन कर श्रद्धालुओं ने स्वयं को धन्य माना।

उत्सव के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा और भीड़ को नियंत्रित रखने के लिए मंदिर प्रबंधन की ओर से व्यवस्थाएं की गईं। स्थानीय पुलिस की मौजूदगी में दर्शन व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने का प्रयास किया गया, जिससे भक्तों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

नंदोत्सव के दौरान भक्तों को प्रसादी वितरित की गई। प्रसादी और बधाई प्राप्त कर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर में भक्ति, उल्लास और आध्यात्मिक वातावरण बना रहा। नंदोत्सव ने वृंदावन की उस परंपरा को जीवंत कर दिया, जिसमें श्रीकृष्ण के जन्म की खुशी को नंद बाबा के घर हुए उत्सव के रूप में मनाया जाता है।

साधु-संतों ने धूमधाम से मनाया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी एवं नंदोत्सव

गर्गाचार्य टाइम्स
वृंदावन । नगर के ज्ञान गुदड़ी स्थित मदन मोहन कुंज आश्रम में भगवान श्रीकृष्ण का जन्माष्टमी एवं नंदोत्सव बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ साधु-संतों की मौजूदगी में मनाया गया। इस अवसर पर आश्रम परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।

आश्रम के महंत नारदटीला पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर हेमकांत शरण देवाचार्य महाराज ने बताया कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर मध्य रात्रि में ठाकुर जी का विधि-विधान पूर्वक महाभिषेक किया गया। भगवान के जन्म के समय मंदिर परिसर में घंटे-घड़ियाल और शंखनाद से वातावरण भक्तिमय हो उठा। साधु-संतों एवं श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के जयकारे लगाए और जन्मोत्सव की खुशियां मनाईं।

उन्होंने बताया कि महाभिषेक के उपरांत ठाकुर जी का आकर्षक



श्रृंगार कर नवीन वस्त्र एवं आभूषण धारण कराए गए। भगवान के बाल स्वरूप के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में भक्त आश्रम पहुंचे। श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर सुख-समृद्धि एवं लोक कल्याण की कामना की।

जन्माष्टमी के अगले दिन आश्रम में नंदोत्सव का आयोजन भी श्रद्धा और उल्लास के साथ किया गया। नंदोत्सव के दौरान साधु-संतों ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की खुशी में बधाई गीत एवं भजन प्रस्तुत किए। भक्तों ने एक-दूसरे को बधाई दी और प्रसाद का वितरण किया गया।

आचार्य हेमकांत शरण देवाचार्य महाराज ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव केवल धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि धर्म, सत्य और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देने वाला पर्व है। उन्होंने श्रद्धालुओं से भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान आश्रम के साधु-संत, सेवायत एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

अवैध तमंचा और कारतूस के साथ 24 वर्षीय युवक गिरफ्तार

रिपोर्टर अरविन्द कुमार-फिरोजाबाद। अवैध असलहों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना दक्षिण पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक युवक को अवैध तमंचा और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।



पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण में शनिवार को थाना दक्षिण पुलिस टीम संदिग्ध वाहन और व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने गिरजाशंकर पुत्र राजू, निवासी टावर वाली गली, हिमायूंपुर, थाना दक्षिण, फिरोजाबाद, उम्र करीब 24 वर्ष को गिरफ्तार किया।तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 315 बोर का एक अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया। बरामदगी के आधार पर थाना दक्षिण में मुकदमा अपराध संख्या 934/2026, धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक योगेन्द्रपाल सिंह, उपनिरीक्षक गुलफाम, कांस्टेबल गजेन्द्र सिंह, प्रभूदयाल और ओमकार सिंह शामिल रहे।

तालाब में डूबने से पांच वर्षीय बालक की मौत, 24 घंटे बाद मिला शव

रिपोर्टर अरविन्द कुमार-नंद किशोर की मौत से परिवार में मचा कोहराम, पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा शवफिरोजाबाद। जसराना थाना क्षेत्र के हरी सिंह का नगला गांव में तालाब में डूबने से पांच वर्षीय बालक की मौत हो गई। घटना के करीब 24 घंटे बाद शनिवार को तालाब में बालक का शव उतराता मिला। शव मिलने की जानकारी होते ही परिवार में कोहराम मच गया। बताया गया है कि पांच वर्षीय नंद किशोर संदिग्ध परिस्थितियों में तालाब में डूब गया था। परिजनों द्वारा बालक की तलाश की जा रही थी। करीब 24 घंटे बाद तालाब में शव उतराता दिखाई दिया। सूचना मिलने पर परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए।घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची जसराना थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। बालक की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस द्वारा घटना की परिस्थितियों की जानकारी जुटाई जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।



रिफाइनरी नगर में जीवंत हुई श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं

ब्रह्माकुमारी आश्रम में धूमधाम से संपन्न हुआ श्रीकृष्ण जन्माष्टमी समारोह

गर्गाचार्य टाइम्स
मथुरा। रिफाइनरी नगर स्थित ओम शांति भवन में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व हर्षोल्लास एवं आध्यात्मिक वातावरण में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, रासलीला एवं विभिन्न प्रसंगों का मनमोहक एवं सजीव मंचन किया गया। बच्चों की आकर्षक प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया और उन्हें भावविभोर कर दिया ।

समारोह का शुभारंभ मथुरा रिफाइनरी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एवं यूनिट हेड श्री मुकुल अग्रवाल एवं वृंदा क्लब की अध्यक्षा श्रीमती छवि अग्रवाल द्वारा राधा-कृष्ण के मनमोहक बालरूप पूजन के साथ हुआ। इसके पश्चात ब्रह्माकुमारी संस्था के भाई-बहनों द्वारा श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े विभिन्न प्रसंगों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं।

कार्यक्रम में द्रौपदी रक्षा, मटकी फोड़, श्री कृष्ण गोपी महारास तथा श्रीकृष्ण-सुदामा मिलन , प्रभु प्रेम की



कव्वाली जैसे प्रसंगों का सजीव मंचन विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। बाल कलाकारों ने श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं एवं उनके दिव्य स्वरूप को अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से अत्यंत सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया ,जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय एवं भावपूर्ण हो गया.

सेवा केंद्र प्रभारी राजयोगिनी बी के कृष्णा दीदी ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश



डालते हुए कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन दिव्य गुणों, पवित्रता, प्रेम, सच्चाई और कर्मयोग का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि जन्माष्टमी केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि अपने जीवन में श्रेष्ठ संस्कारों एवं दैवी गुणों को धारण करने की प्रेरणा लेने का पर्व है। मुख्य अतिथि ने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए सभी को जन्माष्टमी पर्व की शुभकामनाएँ दी .



मंच संचालन बी के मनोज भाई ने किया.

आयोजन को सफल बनाने में बी के पूजा, मनोहर, सौरभ,शिखा, रनिता, अनीता, अलका, भावना, रागिनी, नीतू, दामिनी ,तनु, अनमोल, प्रशांत, लव, खुश, कृष्ण, हिमांशु, प्रिंस, गुलशन , उमेश, नवीन,आलोक और प्रमोद सहित अनेक सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कॅरियर की अंधी दौड़ में हांफती युवा पीढ़ी!



प्रो. संजय द्विवेदी

कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने हमारे सामने नई चुनौतियां पेश की हैं। वे बेहतर सहायक से ज्यादा तनाव के वाहक हैं। युवाओं में एआई के कारण नौकरियां जाने और खुद के अप्रासंगिक हो जाने का भय बैठ गया है। वे इस पूरे दृश्य को बहुत चिंता से देख रहे हैं। री-स्किलिंग का दबाव उन्हें गहरे भय में डाल रहा है।

भारत युवाओं का देश है। जाहिर है ऐसे देश की चिंताएं बहुत अलग होती हैं। उसकी ज्यादातर आबादी को शिक्षा, रोजगार और सुंदर जीवन की कामना होती है। उनकी महत्वाकाक्षाएं, अवसरों की होड़ और दौड़। पाने की खुशी और न मिलने का आक्रोश सब साझा होते हैं। करियर में सफल होने, जल्दी और ज्यादा पाने की कामनाएं इस दौर का मूल्य हैं। ऐसे में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों को गहरी चुनौती है। संकट के बादल गहरे हैं। समाधान के सूत्र न्यूनतम।

बदलती कार्य संस्कृति

सरकारों में नौकरियों के दरवाजे सिकुड़ रहे हैं। ज्यादातर नौकरियां निजी क्षेत्रों में ही हैं। नौ से पांच बजे की पक्की नौकरियां अब स्वप्न ही हैं। उनकी जगह गिग इकोनामी (फ्री लांस, काट्रैक्ट वर्क) ने ले ली है। आर्थिक स्वतंत्रता की तो छोड़िए यह माडल भविष्य की अनिश्चितता और वित्तीय अस्थिरता भी ला रहा है, जिसके नाते बढ़ता मानसिक तनाव और अवसाद संकट को गहरा कर रहा है। हिंदुस्तान अलग तरह से चलता रहा है। परिवार इसकी प्राणवायु रहे हैं। परिवार का कोई एक आदमी नौकरी पर रहता था, शेष अपने घर-इलाके-गांव में बैठकर स्थानीय स्तर पर जो कर सकते थे करते थे। परिवार की छाया में सुरक्षा थी, संरक्षण था, बच्चों को संस्कारित करने के पारिवारिक उपक्रम थे। नई व्यवस्था ने एक परिवार में कई परिवार खड़े कर दिए हैं। इससे एक की जगह अब चार परिवार, चार चूल्हे और चार व्यवस्थाएं खड़ी करनी पड़ रही है। आप कितना भी कमा रहे हैं वह कम ही है। इसने नई पीढ़ी को ईएमआई के दुष्चक्र में फंसा कर नई व्यवस्थाओं का गुलाम बना दिया है। परिवार व्यवस्था भारत की संस्कृति का आधार रही है। वह संस्कारशाला भी है।

कार्य और जीवन का संतुलन

कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने हमारे सामने नई चुनौतियां पेश की हैं। वे बेहतर सहायक से ज्यादा तनाव के वाहक हैं। युवाओं में एआई के कारण नौकरियां जाने और खुद के अप्रासंगिक हो जाने का भय बैठ गया है। वे इस पूरे दृश्य को बहुत चिंता से देख रहे हैं। री-स्किलिंग का दबाव उन्हें गहरे भय में डाल रहा है। इससे मानसिक थकान होना स्वाभाविक ही है। इस समय सबसे बड़ी चिंता कार्य और जीवन संतुलन की है। वर्क फ्राम होम और डिजिटल कनेक्टिविटी ने सारा कुछ बदलकर रख दिया है। काम के घंटे अब प्रायः 24 घंटे ही हैं। देर रात तक ई-मेल, रिर्पोट्स और मैसेज का



जवाब देते हुए युवा ह्यआलवेज आनह्ल मोड में रहते हैं। जिससे पारिवारिक जीवन, व्यक्तिगत समय और नींद सब प्रभावित हो रही है। बर्नआउट की बढ़ती दर, काम के अनिश्चित घंटे, स्पर्धा का वातावरण और टारगेट पूरे करने का दबाव साथ चलता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन(डब्लूएचओ) ने बर्नआउट को प्रोफेशनल बीमारी मान लिया है। यह अब भारतीय कारपोरेट जगत में एक अनिवार्य समस्या बन गयी है।

सोशल मीडिया से बनती छवियां

सोशल मीडिया ने समाज में अलग तरह की स्पर्धा की छवियां प्रस्तुत की हैं। अपने सुखद, आनंद के क्षणों को वायरल करने की बीमारी दूसरे की पीड़ा का कारण बन जाती है। किसी की बड़ी पदस्थापना, उसकी पार्टियां, रील्स, पर्यटन की तस्वीरें, महंगी जीवनशैली का विज्ञापन करना, सफलताओं के हाईलाइट्स देखकर तुलना और स्पर्धा की बातें तेज होती हैं। इससे हीनभावना और तनाव का जन्म भी होता है। परिजन और बच्चे भी अपने पालकों से ऐसी ही जीवन शैली की अपेक्षा करते हैं। ऐसे समय में युवाओं के लिए तनाव प्रबंधन की विधियां समझने और उन्हें जीवन की ठोस सच्चाइयों से जोड़ने की जरूरत है। योग, ध्यान के अनेक अभ्यास जीवन में शांति ला सकते हैं। जिंदगी के हमारे दृष्टिकोण में परिवर्तन ला सकते हैं। रील्स की तुरंतवादी जीवनशैली और जीवन के सतत संघर्ष को समझने की जरुरत है।सोशल मीडिया से प्रक्षेपित हो रही छवियों से प्रभावित होने के बजाए, लोगों के संघर्ष और उससे उपजी सफलताओं के पाठ भी पढ़े जाने चाहिए।

उद्यमिता और उसके जोखिम

नए समय ने युवाओं को उद्यमिता के गुर दिए हैं। यह पीढ़ी जोखिम उठाने और सफलताओं के नए शिखर छूने वाली पीढ़ी है। इसके मंत्र अलग हैं। वे जल्दी से सफलताओं के नए क्षितिज को छूना चाहते हैं। छू भी रहे हैं। कम आयु में उनकी सफलताएं विस्मित करने वाली हैं। उनके स्टार्टअप धूम मचा रहे हैं। सफलता की बड़ी कहानियां लिख रहे हैं। प्रेरित कर रहे हैं। इसके दूसरे पक्ष का विचार भी जरूरी है। हमें पता है कि 90 प्रतिशत से अधिक स्टार्टअप शुरूआती सालों में ही अन्यान्य कारणों से विफल हो जाते हैं। विफलता का डर, निवेशकों का दबाव, फंडिंग का संकट संस्थापकों और शुरूआती कर्मचारियों में मानसिक तनाव पैदा कर ही देता है।

इतने बड़े देश में हर साल लाखों युवा हाथ काम मांगने के लिए खड़े हो जाते हैं। उनके पास डिग्रियां भी होती हैं। किंतु वे कौशल युक्त नहीं होते। वे डिग्रीधारी हैं किंतु किसी काम के नहीं हैं। बाजार की जरूरतें अलग हैं, उनके कौशल अलग हैं। ऐसे में बहुत योग्य लोगों को भी अपेक्षित नौकरी नहीं मिल पाती, अच्छे वेतन की तो जाने ही दीजिए। युवाओं के ज्यादातर संकट वास्तविक हैं। वे जानकारी से भरपूर हैं, उनके पास अवसरों का जनतंत्र है। आकांक्षाओं की बाढ़ है। वे सूचनाओं से लदे-फंदे हैं। यह ज्यादा सूचनाएं भी दुख और भ्रम का कारण बन रही हैं। आकांक्षाओं का बड़ा आकाश उतनी ही गहरी निराशा लेकर लाता है। यह साधारण नहीं है कि आईआईटी के विद्यार्थी आत्महत्या कर रहे हैं। ऐसे प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का अवसान उनके परिवार,देश और समाज के लिए भी बड़ी क्षति है । परीक्षाओं में मिलती असफलताएं, लीक होते प्रश्नपत्र, परीक्षाओं की नष्ट होती शुचिता, सरकारी-प्रशासनिक तंत्र की कदाचार रोकने की विफलताओं ने युवाओं को गहरी चिंताएं दी हैं। शिक्षा के निजीकरण और उससे उपजे बाजारीकरण ने हालात बहुत बदल दिए हैं। महंगी शिक्षा के लिए परिवार कर्ज में डूब रहे हैं। प्रतिभा पलायन का संकट तो है ही। समाज में यह बात बहुत गहरे पैठ रही है इस देश में प्रतिभाशाली युवाओं की जगह नहीं बची है। यह तथ्य नहीं किंतु गहराई से फैलती धारणा है। आप बिना जुगाड़ के इस व्यवस्था में सफल नहीं हो सकते। किसी राष्ट्र जीवन में ऐसी धारणाएं ठीक नहीं हैं। हमें समझना होगा कि राष्ट्र से हम सबकी सामूहिक आकांक्षाएं,साझे प्रयासों से ही फलीभूत होंगी। भारत की आजादी के आठ दशक अभूतपूर्व प्रगति, एकत्व और जीवंत लोकतंत्र के प्रमाण हैं। हर राष्ट्र जीवन में चुनौतियां होती हैं, उससे जूझकर हम अपने संकटों का हल खोजते हैं। देश की युवा पीढ़ी भी अपने संकटों के बीच इस राष्ट्र जीवन के समक्ष उपस्थित प्रश्नों के ठोस और वाजिब हल जरुर तलाशेगी। युवा शक्ति की तेजस्विता, नवाचारों और आत्मविश्वास को देखकर यह विश्वास सहज ही होता है।

संपादकीय

पिंजड़ों को तोड़ना ही होगा

राहुल गांधी की एक महत्वपूर्ण पहल को केवल राजनैतिक खांचे में फिट करके उसे खराब करने की कोशिश भाजपा कर रही है। महिला आरक्षण विधेयक संसद में 2023 में कांग्रेस समेत तमाम दलों के समर्थन से पारित हो चुका है, जिसे आज तक मोदी सरकार ने लागू नहीं किया है। और मनुस्मृति की ज्यादातर बातें महिला विरोधी हैं, यह भी जगजाहिर है।

22 अगस्त को राहुल गांधी ने पुणे में छात्रों की गूंज कार्यक्रम किया, जो आजाद भारत में एक ऐतिहासिक घटना के तौर पर दर्ज हो चुका है। अमूमन महिला सशक्तीकरण और महिला अधिकारों पर बड़े मंचों से बात करने के लिए आठ मार्च का इंतजार किया जाता है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर घिसे-पिटे जुमलों और भाषणों की बाढ़ आ जाती है। ये 21वीं सदी है, जिसमें महिलाएं



डॉ विवेक गगार्चार्य

पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं, ऐसे वाक्यों से भाषणों या लेखों की शुरूआत होती है, और आगे बताया जाता है कि जीवन के तमाम क्षेत्रों में महिलाओं ने कामयाबी का परचम गाड़ा है। हालांकि इसमें एक बड़ी भूल की तरफ ध्यान नहीं दिया जाता कि कामयाबी और समानता दोनों शब्दों के अर्थ अलग-अलग हैं। महिलाएं पुरुषों की तरह कई क्षेत्रों में कामयाब हो सकती हैं, लेकिन क्या उन्हें घर और बाहर हर जगह बराबरी है, इसी सवाल का जवाब समाज को देना है, जो आज तक अनुत्तरित है। अक्सर इस सवाल के जवाब में यही कहा जाता है कि महिलाओं के लिए अब कई बंधन खत्म किए गए हैं, कानून ने उन्हें ये दिया है, वो दिया है। मगर बात वही है कि महिलाओं को ये सब देने की जरूरत क्यों पड़ी। इसलिए पड़ी क्योंकि पहले जो कुछ उनके पास था, यानी समान अधिकार वो समाज ने ही छीने। और अब खुद को उदार होने का दिखावा करते हुए महिलाओं को देने का तथाकथित बड़प्पन दिखाया जा रहा है।

लैंगिक समानता के इसी ढकोसले पर राहुल गांधी ने पुणे में प्रहार किया, जब उन्होंने मनुस्मृति में लिखी बातों का विरोध किया। लड़कियों से कहा कि उनका अपने पिता, पति और बेटे से रिश्ता है, लेकिन वो उनकी जागीर नहीं हैं। राहुल गांधी की इस बात का विरोध करने के लिए भाजपा के तमाम नेता अब मनुस्मृति की बाकी बातों को निकाल कर सामने ला रहे हैं कि इसमें ये अच्छी बात है, वो अच्छी बात है। जो ऐसा नहीं कर पा रहे, वो राहुल से सवाल कर रहे हैं कि आप महिला समानता की बात करते हैं तो महिला आरक्षण विधेयक पारित करने में मोदी सरकार का साथ क्यों नहीं देते।

जाहिर है राहुल गांधी की एक महत्वपूर्ण पहल को केवल राजनैतिक खांचे में फिट करके उसे खराब करने की कोशिश भाजपा कर रही है। महिला आरक्षण विधेयक संसद में 2023 में कांग्रेस समेत तमाम दलों के समर्थन से पारित हो चुका है, जिसे आज तक मोदी सरकार ने लागू नहीं किया है। और मनुस्मृति की ज्यादातर बातें महिला विरोधी हैं, यह भी जगजाहिर है। असल बात यह है कि सस्ती राजनीति के लिए राहुल गांधी का विरोध किया जा रहा है, जिसमें नुकसान कांग्रेस या राहुल गांधी का नहीं समाज का हो रहा है। क्योंकि लैंगिक असमानता राजनीति से पहले समाज की समस्या है। इसका ताजा उदाहरण आभूषण बनाने वाली कंपनी जीवा के रक्षाबंधन के लिए बनाए विज्ञापन में देखने मिला। इस विज्ञापन को विवादों के बाद कंपनी ने हटा लिया है। दरअसल इसमें अभिनेत्री कृति सेनन को उनके कपड़ों के कारण ट्रोल किया जा रहा था। उन्होंने बिना बांहों वाला टॉप पहना था और इसमें उनके भाई को राखी बांधने के दौरान उनका पालतू कुत्ता भी नजर आया। इन्हीं सब पर संस्कृति के ठेकेदारों की भावनाएं आहत हो गईं। जीव मात्र पर दया और प्रेम रखने की भारतीय परंपरा चली आई है, हिंदू धर्म के कई भगवानों के वाहन पशु हैं, लेकिन अगर त्योहार से जुड़े विज्ञापन में पालतू कुत्ता नजर आया तो इसे अपमान माना गया। जहां तक अभिनेत्री के कपड़ों की बात है, तो ऐसे कपड़े टीवी धारावाहिकों और फिल्मों से लेकर आम समाज तक पहने जाते हैं। इसमें कुछ भी आपत्तिजनक नहीं है। जिन्हें लड़कियों के कपड़ों में खोट नजर आता है, असल में खोट उनकी अपनी नजरों और नजरिए का होता है। लेकिन शुरू से रवायत यही चली आई है कि लड़की को ही कटघरे में खड़ा करना है, तो जाहिर तौर पर कृति सेनन का विरोध होने लगा।

कहीं बाढ़ का प्रलय, कहीं बूंद-बूंद पानी को तरसती धरती



कांतिलाल मांडोत

प्रकृति का संतुलन बिगड़ा तो इंसान की सारी तैयारियां पड़ जाती हैं छोटी...

मानसून भारत के लिए केवल बारिश का मौसम नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन, खेती और अर्थव्यवस्था से जुड़ा हुआ प्राकृतिक चक्र है। यही बारिश कहीं जीवनदायिनी बनकर खेतों को हरा-भरा करती है तो कहीं उसका विकराल रूप बाढ़ बनकर बस्तियों, सड़कों और घरों को अपनी चपेट में ले लेता है। इस समय देश के कई हिस्सों में मौसम का यही विरोधाभासी चेहरा दिखाई दे रहा है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गंगा और यमुना के जलस्तर में वृद्धि से निचले इलाकों में बाढ़ का पानी पहुंच रहा है। कछारी क्षेत्र में अनेक मकानों के डूबने से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने की जरूरत पड़ रही है। दूसरी ओर बिहार में कई प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं और प्रशासन को राहत एवं बचाव की तैयारियां तेज करनी पड़ी हैं। लेकिन देश के ही कुछ दूसरे हिस्से ऐसे हैं जहां पर्याप्त बारिश नहीं होने से खेतों में खड़ी फसलें सूखने लगी हैं और किसान आसमान की ओर उम्मीद लगाए बैठे हैं।

यह स्थिति हमें प्रकृति की उस शक्ति का एहसास कराती है जिसके सामने मनुष्य की तकनीकी उपलब्धियां भी सीमित दिखाई देती हैं। मनुष्य ने बांध बनाए, तटबंध खड़े किए, नदियों का रास्ता नियंत्रित करने की कोशिश की, मौसम की भविष्यवाणी करने वाली आधुनिक प्रणालियां विकसित कीं और आपदा प्रबंधन के लिए विशेष बल तैयार किए। इसके बावजूद जब नदियां अपने उफान पर आती हैं तो प्रकृति के सामने हमारी सारी व्यवस्थाओं की परीक्षा शुरू हो जाती है। यही कारण है कि बाढ़ को केवल एक प्राकृतिक घटना मानकर उससे निपटना पर्याप्त नहीं है। इसके पीछे नदी क्षेत्र में बढ़ता अतिक्रमण, जल निकासी की कमजोर व्यवस्था, अनियोजित निर्माण, वनों की कमी और बदलता मौसम चक्र भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

प्रयागराज की स्थिति इस समय विशेष चिंता का विषय है। गंगा और यमुना के जलस्तर बढ़ने से नदी के आसपास बसे निचले क्षेत्रों में पानी पहुंचना शुरू हो गया है। कछारी इलाकों में रहने वाले परिवारों के लिए बाढ़ का पानी केवल घरों में घुसने की समस्या नहीं है, बल्कि रोजमर्रा के जीवन को पूरी तरह प्रभावित करने वाला संकट है। घरों में पानी भरने के साथ बिजली, पेयजल, आवागमन और भोजन जैसी बुनियादी जरूरतें भी चुनौती बन जाती हैं। ऐसे समय में राहत शिविरों की व्यवस्था लोगों के लिए बड़ी सहायता साबित होती है। प्रशासन द्वारा राहत शिविर सक्रिय करना और प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना जरूरी कदम है। मगर इससे भी अधिक महत्वपूर्ण है कि पानी बढ़ने से पहले ही संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को समय रहते सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए।

उत्तर प्रदेश के ही चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का बढ़ा हुआ जलस्तर यह संकेत देता है कि लगातार बारिश का असर छोटी नदियों और जलधाराओं पर भी तेजी से पड़ता है। नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर जाने पर आसपास के गांवों और आबादी को सतर्क करना प्रशासन की पहली जिम्मेदारी हो जाती है। घोषणा, निगरानी और स्थानीय प्रशासन की सक्रियता ऐसी परिस्थितियों में जान-माल के नुकसान को कम कर सकती है। प्रतापगढ़ में बारिश के दौरान कच्ची दीवार गिरने से मासूम की मौत जैसी घटनाएं बताती हैं कि आपदा का खतरा केवल बाढ़ तक सीमित नहीं है। लगातार बारिश कमजोर मकानों, पुरानी दीवारों और जलभराव वाले क्षेत्रों के लिए भी खतरा पैदा करती है। इसलिए बरसात के मौसम में कमजोर निमार्णों की पहचान और लोगों को पहले से सावधान करना आवश्यक है।

बिहार में स्थिति और व्यापक है। गंगा, गंडक, बागमती, कोसी, बूढ़ी गंडक और पुनपुन जैसी नदियों का जलस्तर बढ़ना राज्य के लिए हर वर्ष बड़ी चुनौती बनता है। बिहार का विशाल भूभाग नदियों और उनकी सहायक धाराओं से प्रभावित होता है। नदियों का उफान केवल एक जिले की समस्या नहीं रहता, बल्कि कई जिलों के गांवों, खेतों और सड़कों पर इसका असर पड़ता है। यही वजह है कि प्रशासन को राहत और बचाव की तैयारियां पहले से रखनी पड़ती हैं। नावों की तैनाती, सामुदायिक रसोई, राशन और पॉलीथीन शीट की व्यवस्था तथा आपदा राहत दलों की मौजूदगी बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए तत्काल राहत का आधार बनती है।

एसडीआरएफ और एनडीआरएफ जैसी एजेंसियों की तैनाती ने आपदा प्रबंधन की क्षमता को निश्चित रूप से मजबूत किया है। लेकिन किसी भी आपदा में सरकारी मशीनरी की सफलता केवल बचाव दलों की संख्या से नहीं मापी जा सकती। स्थानीय लोगों की जागरूकता, प्रशासन के साथ उनका सहयोग और समय पर चेतावनी का पालन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। बाढ़ के दौरान नदी और तेज बहाव वाले पानी से दूरी बनाए रखना, अफवाहों पर विश्वास न करना और प्रशासन द्वारा बताए गए सुरक्षित स्थानों पर जाना जीवन की रक्षा के लिए आवश्यक है।

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि जहां कुछ क्षेत्रों में बारिश आफत बन रही है, वहीं कई इलाकों में किसान बारिश की कमी से परेशान हैं। खेतों में नमी नहीं होने पर फसलों की वृद्धि रुक जाती है। बारिश पर निर्भर किसान के लिए यह स्थिति आर्थिक संकट का रूप ले सकती है। एक तरफ अत्यधिक बारिश खेतों को डुबो देती है और दूसरी तरफ कम बारिश फसलों को सुखा देती है। यही विरोधाभास बताता है कि आज आवश्यकता केवल अधिक बारिश की नहीं, बल्कि बारिश के संतुलित वितरण और जल प्रबंधन की है।

प्रकृति के साथ मनुष्य की सबसे बड़ी भूल शायद यही रही है कि उसने प्राकृतिक संसाधनों को अपने नियंत्रण में मान लिया। नदियों के किनारों पर अतिक्रमण, जलाशयों का सिकुड़ना, वर्षाजल के प्राकृतिक रास्तों का बंद होना और बिना पर्याप्त योजना के शहरी विस्तार ने बारिश के पानी को संकट में बदलने की स्थितियां पैदा की हैं। यदि शहरों में पानी के निकास के रास्ते बाधित होंगे तो सामान्य से अधिक बारिश भी जलभराव पैदा करेगी। इसी तरह यदि नदी के प्राकृतिक क्षेत्र में निर्माण बढ़ेगा तो बाढ़ का असर आबादी तक पहुंचने की आशंका बढ़ती जाएगी। इसलिए आज जरूरत आपदा आने के बाद राहत पहुंचाने से आगे बढ़कर दीर्घकालिक तैयारी की है। नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों की रक्षा, वर्षाजल संचयन, तालाबों और पारंपरिक जलस्रोतों का संरक्षण, बाढ़ क्षेत्र का वैज्ञानिक निर्धारण और संवेदनशील बस्तियों की बेहतर योजना समय की मांग है। खेती के क्षेत्र में भी ऐसी फसलों और सिंचाई प्रणालियों को बढ़ावा देना होगा जो बदलते मौसम के जोखिम को कम कर सकें।

आइआइटी संस्थानों में क्यों सुसाइड कर रहे हैं होनहार?



मनोज कुमार अग्रवाल

देश के प्रतिष्ठित आईआईटी व आईआईएम जैसे उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों की आत्महत्या के मामलों की झड़ी लगी है।एक रिपोर्ट के अनुसार देशभर के आईआईटी में पांच वर्षों में 70 होनहारों ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। जबकि जुलाई से शुरू नए सत्र में अब तक आईआईटी में तीन व आईआईएम में एक सुसाइड की वारदात सामने आ चुकी हैं। रिपोर्ट बताती है कि आईआईएससी बंगलूरू में भी 15 दिन में दो छात्रों ने खुदकशी की है।

आपको बता दें कि भारत के प्रमुख तकनीकी संस्थानों में छात्रों द्वारा आत्महत्या के बढ़ते मामले एक बेहद गंभीर और संवेदनशील चिंता का विषय बन चुके हैं। हाल ही में, 22 अगस्त 2026 को आईआईटी दिल्ली के एमएससी भौतिकी के 31 वर्षीय छात्र ऋषिकेश कुमार ने परिसर की एक इमारत से कूदकर अपनी जान दे दी। इस घटना के बाद संस्थान में छात्रों द्वारा बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं।यह स्थिति केवल एक संस्थान तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के कई शीर्ष इंजीनियरिंग परिसरों में मानसिक तनाव और शैक्षणिक दबाव की गहरी समस्याओं को उजागर करती है।हालिया प्रमुख घटनाएं और आंकड़ेआईआईटी दिल्ली ऋषिकेश कुमार की मृत्यु के बाद, छात्रों ने न्याय की मांग को लेकर फ्लैश मार्च निकाला और कक्षाओं का बहिष्कार किया। छात्रों का आरोप है कि ऋषिकेश मानसिक तनाव से गुजर रहे थे और उन्हें प्रशासन से आवश्यक सहयोग व हॉस्टल सुविधा नहीं मिली। पिछले 30 महीनों में इस संस्थान में यह आठवीं आत्महत्या है।वर्ष 2026 की शुरूआत (जनवरी) में पीएचडी स्कॉलर राम स्वरूप ईश्वरम ने आत्महत्या कर ली थी, जिससे पहले दो हफ्तों के भीतर ही परिसर में एक और छात्र जय सिंह मीना की मौत हुई थी। इस संस्थान ने भी पिछले दो वर्षों में कई ऐसी दुखद घटनाएं देखी हैं। अगस्त 2026 में आईआईटी खड़गपुर के भी एक छात्र की परिसर में ऊंचाई से गिरने से मौत हुई। रिपोर्टों के अनुसार, देश के शीर्ष 11 आईआईटी में पिछले 5 सालों में 35 से अधिक छात्रों ने आत्महत्या की है, जिनमें आईआईटी मद्रास, हैदराबाद और दिल्ली सबसे आगे रहे हैं।

विभिन्न जांच समितियों, शिक्षाविदों और स्वयं छात्रों के अनुसार इन आत्महत्याओं के पीछे जो कारण रेखांकित किए गए हैं उनमें शैक्षणिक दबाव कड़ा पाठ्यक्रम, लगातार परीक्षाएं, ग्रेडिंग सिस्टम और असाइनमेंट का अत्यधिक बोझ छात्रों को मानसिक रूप से थका देता है।भविष्य और करियर की चिंता के चलते छात्र छात्राओं में अवसाद घर कर जाता है। प्लेसमेंट न होना, इंटर्नशिप के अवसरों से वंचित होना या रिसर्च प्रोजेक्ट्स में आने वाली अड़चनें छात्रों में भारी अनिश्चितता पैदा करती हैं।सामाजिक अलगाव एक बड़ा कारण है कई छात्र अपने परिवारों से दूर रहने, कड़ी प्रतिस्पर्धा और संवाद की कमी के कारण अकेलेपन और अवसाद का शिकार हो जाते हैं।प्रशासनिक और सुपरवाइजर का व्यवहार भी इन घटनाओं के लिए लिए जिम्मेदार है विशेषकर पीएचडी और मास्टर्स के छात्रों में यह देखा गया है कि गाइड या प्रशासन के कथित असंवेदनशील रवैये या अत्यधिक नियंत्रण के कारण छात्र खुद को असहाय महसूस करते हैं।जातिगत या लैंगिक भेदभाव से भी इस तरह की वारदातों की तादाद कम नहीं हो रही है। कुछ मामलों में वंचित पृष्ठभूमि से आने वाले छात्रों ने भेदभाव या पूर्वाग्रहों का सामना करने की बात भी उठाई है।

आपको बता दें कि आईआईटी दिल्ली में 30 महीनों में आठवें छात्र की आत्महत्या की खबर ने एक बार फिर देश के प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थानों के अंदरूनी अस्वस्थता को सामने ला दिया है। यह महज एक व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि व्यवस्थागत विफलता का प्रतीक है। जब एक संस्थान, जिसे देश की उच्च मेधा को तराशने का केंद्र माना जाता है,वहां आए दिन युवा छात्रों द्वारा सुसाइड की वारदात बेहद संवेदनशील और असामान्य स्थिति का हवाला देती है। इस पर सवाल उठना स्वाभाविक है कि ऐसा आत्मघाती माहौल शिक्षण संस्थानों में कैसे पनप रहा है? कई मामलों में अवसाद, परीक्षा में असफलता का डर और समय रहते काउंसलिंग नहीं मिलना प्रमुख कारण बताए गए हैं। छात्रों का आरोप है कि घटना के बाद प्रशासन का रवैया अक्सर औपचारिक शोक संदेश तक सीमित रह जाता है। एक छात्र की मौत के बाद परिसर सामान्य हो जाता है, जैसे कुछ हुआ ही न हो। यही दोहराव छात्रों में गुस्सा और निराशा पैदा कर रहा है। हालिया घटना के बाद सैकड़ों छात्रों का प्रदर्शन, डीन और एसोसिएट डीन के इस्तीफे की मांग, स्वतंत्र जांच और परिवार को मुआवजे की मांग, ये सब इस गुस्से की अभिव्यक्ति हैं। प्रशासन का दावा है कि काउंसलिंग सेवाएं, २४ घंटे मानसिक स्वास्थ्य सहायता और पाठ्यक्रम में लचीलापन उपलब्ध हैं। यदि ऐसा है तो हालात इतना खराब क्यों बने हैं कि आए दिन छात्र जान दे रहे हैं।

जानकारी के अनुसार सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित राष्ट्रीय टास्क फोर्स भी इस मुद्दे पर काम कर रही है। लेकिन रिपोर्ट और कमेटियां तब तक अनुपयोगी हैं, जब तक उनकी सिफारिशें जमीनी स्तर पर लागू न किया जाए ।

सरकार को इस ओर तत्काल प्रभाव से गंभीरता से कारवाई करनी चाहिए। देश के होनहार छात्र इस तरह जान गंवाने के लिए नहीं है। हर मौत पूरे परिवार को तोड़ देती है वही समाज खासकर उच्च शिक्षण संस्थान की प्रतिष्ठा और गरिमा पर भी सवालिया निशान लगा रहीं हैं। हालांकि बताना जरूरी है कि सरकारी स्तर से संकट को देखते हुए छात्र संगठनों की मांगों के बाद कई कदम उठाए गए हैं। आईआईटी दिल्ली मामले की जांच के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक बाहरी समिति का गठन किया गया है, जिसमें एम्स के मनोचिकित्सा विभाग के प्रमुख और छात्र प्रतिनिधि भी शामिल हैं।पाठ्यक्रम में लचीलापन लाया गया है। संस्थानों ने शैक्षणिक भार कम करने, पहले सेमेस्टर में क्रेडिट कम करने और वीकेंड परीक्षाओं को सीमित करने जैसे नीतिगत बदलाव शुरू किए हैं।मानसिक स्वास्थ्य सहायता परिसरों में 24/7 काउंसलिंग हेल्पलाइन, वेलनेस सेंटर और मेंटरशिप प्रोग्राम बढ़ाए जा रहे हैं ताकि समय रहते मानसिक संकट से जूझ रहे छात्रों की पहचान की जा सके।छात्रों और उनके परिजनों का भी कर्तव्य है कि वह अपने परिवार या परिचित छात्र छात्राओं के सम्पर्क में रहें कोई अवसाद या असामान्य बात का आभास मिलते ही संस्थान को अवगत कराएं ताकि समय पर काउंसलिंग कर छात्र को आत्मघाती होने से बचाया जा सके।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

शिक्षा में राजनीति का कोई स्थान नहीं: सीएम योगी

गर्गाचार्य टाइम्स

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कि शिक्षा में राजनीति का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। राजनीति के चश्मे से देखने वालों को 2017 के बाद प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में आया आमूलचूल परिवर्तन दिखाई नहीं देगा। उन्होंने प्रदेशभर के शिक्षकों का आह्वान किया कि वे शिक्षा व्यवस्था में उत्कृष्टता और नवाचार को लेकर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा आगे बढ़ाएं। यही स्वस्थ प्रतिस्पर्धा प्रदेश और देश का भविष्य बनाएगी।

सीएम योगी शनिवार को शिक्षक दिवस पर बेसिक व माध्यमिक शिक्षा के राज्य अध्यापक पुरस्कार एवं मुख्यमंत्री अध्यापक पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। गोरखपुर में योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित इस समारोह में बेसिक शिक्षा विभाग के 61 और माध्यमिक शिक्षा विभाग के 20 शिक्षकों (कुल 81) को पुरस्कृत किया गया। सभी शिक्षकों को मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से पुरस्कृत किया। शिक्षकों को पुरस्कार देते समय सीएम योगी ने उनसे आत्मीय संवाद कर बधाई दी और उन्हें प्रोत्साहित भी किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विगत साढ़े नौ साल में शिक्षा व्यवस्था में आए सकारात्मक परिवर्तन की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि बेसिक और माध्यमिक शिक्षा व्यवस्था में सुदृढ़ता लाने का काम वर्ष 2017 से पहले भी हो सकता था। पर, तत्कालीन सरकारों ने ध्यान नहीं दिया। उन्होंने तंज कसा, ह्यजितना पैसा आप सैफई महोत्सव में खर्च करते थे, उसी में थोड़ा सा पैसा शिक्षा की तरफ डाइवर्ट करते तो लाखों बच्चों का भविष्य बन चुका होता। जितने पैसे में बकिंघम की बग्गी मंगा कर अपना जन्मदिन मनाते थे, उतना पैसा शिक्षा पर खर्च करते, तो बच्चों का भविष्य बनता, पहचान का संकट नहीं आता।

टिप्पणी करना आसान है, कर के दिखाना मुश्किल

मुख्यमंत्री ने शिक्षा पर राजनीति करने वालों पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि चुनावी घोषणा अलग बात है, लेकिन स्मार्ट क्लास, डिजिटल लाइब्रेरी बनाना कठिन होता है, यह आज प्रदेश में दिखाई दे रहा है। बयान देना आसान है, लेकिन 1.60 करोड़ बच्चों के अकाउंट में डीबीटी से पैसा पहुंचाना कठिन है और यह हुआ है। संस्कृत की छठी क्लास से लेकर आचार्य तक, बच्चों को स्कॉलरशिप के साथ जोड़ना कठिन था, लेकिन सरकार ने वह भी किया। प्रोजेक्ट अलंकार, ऑपरेशन कायाकल्प से बेसिक व माध्यमिक विद्यालयों में परिवर्तन कठिन था, पर इसे भी किया गया। टिप्पणी करना बहुत आसान है, लेकिन करके दिखाना मुश्किल।



यूपी को बदनाम करने के लिए दुष्प्रचार

सीएम योगी ने यूपी को बदनाम करने के लिए दुष्प्रचार की तरफ भी ध्यान आकृष्ट कराया। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्य के जर्जर विद्यालय भवन का वीडियो झांसी का बताकर चलाया गया। यूपी के शिक्षा जगत को अपमानित करने का प्रयास करने वालों को स्मार्ट क्लास, ऑपरेशन कायाकल्प जैसे व्यापक परिवर्तन दिखाई नहीं देते। लेकिन, हमारी प्रतिस्पर्धा चुनावी घोषणाबाजों से नहीं, समय से है। जिस बच्चे को आप पढ़ा रहे हैं, अगर उसमें चूक हो गई तो उसका बचपन दोबारा नहीं आने वाला। इसलिए सही समय पर सही दिशा में सही निर्णय लेने की आदत होनी चाहिए। शिक्षा के प्रति विश्वास को बनाए रखना सरकार और शिक्षकों की सामूहिक जिम्मेदारी है। बदलती टेक्नोलॉजी पर हम मौन नहीं रह सकते। हमें एआई, रोबोटिक्स व ड्रोन टेक्नोलॉजी के अनुरूप खुद को तैयार करने की जरूरत है।

2017 से पहले दंगा-कर्फ्यू व अराजकता का दौर

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन लोगों को प्रदेश में चार बार शासन करने का अवसर मिला और जिस कांग्रेस को लगभग छह दशक तक यूपी में शासन करने का अवसर प्राप्त हुआ था, वे दोनों प्रदेश की बदलती व्यवस्था पर प्रश्न खड़ा करने का प्रयास कर रहे हैं। पुराने जर्जर भवन दरअसल उन्हीं के स्मारक थे, जिन्हें हम रिप्लेस कर चुके हैं, वे शिक्षा व्यवस्था पर प्रश्न खड़ा करने का प्रयास कर रहे हैं। डबल इंजन की सरकार शिक्षा व्यवस्था को एक्सक्लूसिव, अधिक संसाधनपूर्ण तथा पारदर्शी बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। कोई ऐसा शिक्षक नहीं होगा, जिसने नौ वर्ष पहले और आज के उत्तर प्रदेश का परिवर्तन नहीं देखा हो। 2017 से पहले उपद्रव, कर्फ्यू, दंगे व अराजकता के माहौल में स्कूल-कॉलेजों के चलने की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। अब कहीं कोई संकट नहीं। कोई उत्सव से पहले उपद्रव नहीं कर सकता। कल जन्माष्टमी थी। सभी 1586 थानों में, देव मंदिरों में, 75 जनपदों की पुलिस लाइन में, सभी जेलों में, हर मोहल्ले-गांव में इसके आयोजन हुए, लेकिन कहीं कर्फ्यू या दंगे का नाम भी नहीं सुना होगा।

यूपी के शिक्षकों पर अब कोई प्रश्न नहीं

सीएम योगी ने कहा कि आज के उत्तर प्रदेश में कोई शिक्षकों पर प्रश्न नहीं खड़ा करता। जबकि 2017 के पहले ठेके पर नकल होती थी। स्कूल-कॉलेज नकल के अड्डे बन गए थे। युवाओं के सामने पहचान का संकट था और भारत की सबसे बड़ी आबादी का राज्य कठघरे में खड़ा दिखाई देता था। लोग उत्तर प्रदेश में आना नहीं चाहते थे। हमारे युवाओं व शिक्षकों को बाहरी राज्यों में शक की निगाहों से देखा जाता था। लेकिन, अब सभी जगह हमारे युवाओं व शिक्षकों का सम्मान किया जाता है। यूपी के प्रति धारणा बदली है। इस परिवर्तन के महत्वपूर्ण वाहक शिक्षक हैं और शिष्य का योग्य व संस्कारी बनना ही सबसे बड़ी गुरु दक्षिणा है।

टीचर, टैलेंट और ट्रांसफॉर्मेशन को जोड़ा गया

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए टीचर, टैलेंट और ट्रांसफॉर्मेशन जोड़ा गया। इस ट्रिपल-टी में शिक्षक का सम्मान, विद्यार्थी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और संसाधनों की उपलब्धता पर जोर है। सरकार ने शिक्षामित्रों का मानदेय बढ़ाकर 18 हजार और अनुदेशकों का 17 हजार रुपये कर दिया है। 5 लाख रुपये कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा और सामाजिक सुरक्षा की भी गारंटी दी गई। बेसिक, माध्यमिक, उच्च शिक्षा से जुड़े हुए सभी शिक्षकों, शिक्षणोत्तर कर्मचारियों व उनके परिवार को 5 लाख रुपये प्रतिवर्ष कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने का काम किया गया। पहली बार सोशल सिक्योरिटी की गारंटी दी गई। हमारा मानना है कि बच्चों का भविष्य गढ़ने वालों का सम्मान पहले होना चाहिए। राज्य अध्यापक पुरस्कार की राशि को 10000 से बढ़ाकर 25000 रुपये किया गया। सेवा मामलों में पारदर्शिता के लिए ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट पोर्टल विकसित किया गया। इसी तरह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अनेक कार्य किए गए। निपुण भारत अभियान के अच्छे परिणाम मिल रहे हैं, यह अब पांचवी क्लास तक चलेगा।

ईमानदार मुख्य आरक्षी ने लौटाया मोबाइल और 10 ग्राम सोने का सिक्का

रिपोर्टर अरविन्द कुमार-फिरोजाबाद। थाना उत्तर में तैनात मुख्य आरक्षी राकेश कुमार ने ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल पेश करते हुए रास्ते में मिले मोबाइल फोन और उसके कवर में रखा 10 ग्राम वजन का सोने का सिक्का उसके वास्तविक स्वामी को सकुशल लौटा दिया।



जानकारी के अनुसार थाना दक्षिण क्षेत्र की नई बस्ती, जैन मंदिर निवासी त्रिलोकी नाथ स्वर्णकार शनिवार सुबह करीब 10:30 बजे मोटरसाइकिल से शिव मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे। इसी दौरान उनकी जेब से वीवो कंपनी का मोबाइल फोन रास्ते में गिर गया। मोबाइल के कवर में 10 ग्राम वजन का सोने का सिक्का भी रखा हुआ था।इसी दौरान थाना उत्तर में तैनात मुख्य आरक्षी 409 राकेश कुमार को रास्ते में मोबाइल पड़ा मिला। उन्होंने मोबाइल को सुरक्षित रखते हुए उसके वास्तविक स्वामी की जानकारी जुटाई और उन्हें थाने बुलाया। इसके बाद प्रभारी निरीक्षक थाना उत्तर रवि त्यागी और मुख्य आरक्षी राकेश कुमार ने मोबाइल फोन तथा कवर में सुरक्षित सोने का सिक्का त्रिलोकी नाथ स्वर्णकार को सकुशल सुपुर्द कर दिया।कीमती सामान वापस मिलने पर त्रिलोकी नाथ बेहद खुश हुए। उन्होंने फिरोजाबाद पुलिस और मुख्य आरक्षी राकेश कुमार का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया।पुलिस विभाग के अनुसार, पुलिसकर्मी कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी निभाने के साथ ही ईमानदारी, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों के साथ आमजन की सहायता तथा पुलिस के प्रति विश्वास बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

R.J. Coaching में धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस, विद्यार्थियों ने शिक्षकों को दिए उपहार

रिपोर्टर अरविन्द कुमार-फिरोजाबाद। भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति एवं द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को R.J. Coaching स्टेशन रोड मक्खनपुर में शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने अध्यापकों को उपहार भेंट कर शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं। बच्चों ने कहा कि शिक्षक उनके जीवन को सही दिशा देने के साथ-साथ शिक्षा, संस्कार और अनुशासन का महत्व भी समझाते हैं।



शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों के स्नेह और सम्मान के लिए उनका आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान अध्यापकों ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को याद करते हुए विद्यार्थियों को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। शिक्षकों ने कहा कि विद्यार्थी देश का भविष्य हैं और मेहनत, लगन तथा अनुशासन के साथ शिक्षा प्राप्त कर वे अपने लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं।समारोह के दौरान शिक्षकों ने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और उन्हें जीवन में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने भी अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। समारोह का माहौल पूरे समय उत्साह और आत्मीयता से भरा रहा। शिक्षक और विद्यार्थियों के बीच आपसी स्नेह और सम्मान की भावना देखने को मिली।

राष्ट्रीय लोक अदालत 12 सितंबर को, फिरोजाबाद में 2.50 लाख वादों के निस्तारण का लक्ष्य

रिपोर्टर अरविन्द कुमार

फिरोजाबाद। आगामी 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन और अधिकाधिक मामलों के निस्तारण को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से तैयारियां तेज कर दी गई हैं। शनिवार को सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुश्री योगेश शिवा ने प्रेस वार्ता कर राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों और निर्धारित लक्ष्य की जानकारी दी।

सचिव ने बताया कि जनपद फिरोजाबाद में राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से 2.50 लाख वादों के निस्तारण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए न्यायालयों, विभिन्न विभागों और संबंधित संस्थाओं के साथ समन्वय स्थापित कर व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है। लंबित एवं प्री-लिटिगेशन मामलों को चिन्हित कर उनके अधिकाधिक निस्तारण के प्रयास किए जा रहे हैं।



उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्देश्य आपसी सुलह-समझौते के माध्यम से विवादों का शीघ्र, सरल और प्रभावी समाधान कर पक्षकारों को सस्ता, सुलभ एवं त्वरित न्याय उपलब्ध कराना है। लोक अदालत के माध्यम से मामलों का निस्तारण होने पर पक्षकारों के समय और धन की बचत होती है तथा लंबे समय से चल रहे विवादों का सौहार्दपूर्ण समाधान संभव होता है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में ऐसे लंबित और प्री-लिटिगेशन मामलों को शामिल किया जाएगा, जिनका निस्तारण विधि के अनुसार सुलह-समझौते के आधार पर किया जा सकता है। सचिव ने आमजन से अपील की कि वे अपने मामलों के शीघ्र निस्तारण के लिए 12 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिकाधिक सहभागिता करें।

प्रेस वार्ता में मीडिया प्रतिनिधियों से भी लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार में सहयोग की अपील की गई, ताकि अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके और निर्धारित 2.50 लाख वादों के निस्तारण का लक्ष्य हासिल किया जा सके।

संपूर्ण समाधान दिवस में 189 शिकायतें दर्ज, 12 का मौके पर निस्तारण

गर्गाचार्य टाइम्स-ग्रेटर नोएडा। जनपद की तीनों तहसीलों में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया, जिसमें अधिकारियों ने आमजन की विभिन्न समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से सुना। तीनों तहसीलों में कुल 189 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें 12 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को भेजते हुए उनके त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए गए। तहसील सदर में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अजीत कुमार सिंह की अध्यक्षता में समाधान दिवस आयोजित हुआ। यहां पांच शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें तीन का मौके पर निस्तारण किया गया। तहसील दादरी में उपजिलाधिकारी अभिनेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में सबसे अधिक 102 शिकायतें दर्ज हुईं। इनमें सात शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया गया। तहसील जेवर में उपजिलाधिकारी दुर्गेश सिंह की अध्यक्षता में समाधान दिवस आयोजित हुआ, जहां 82 शिकायतें प्राप्त हुईं और दो शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि शेष शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और निर्धारित समयसीमा के भीतर शिकायतकर्ता को प्रभावी राहत उपलब्ध कराई जाए। समाधान दिवस के दौरान राजस्व, पुलिस, विकास, नगर निकाय सहित विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें अधिकारियों के समक्ष पहुंचीं। अधिकारियों ने कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में गुणवत्ता और समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि लोगों को अपनी शिकायतों के लिए बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।



शिक्षा हमारा विकल्प नहीं संकल्प है: अखिलेश यादव

गर्गाचार्य टाइम्स

लखनऊः समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव आज शिक्षक दिवस के अवसर पर यहां गोमतीनगर स्थित लखनऊ पब्लिक कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के आयोजक लखनऊ पब्लिक स्कूल संस्थापक एवं सांसद एसपी सिंह पटेल ने अखिलेश यादव का स्वागत किया।

इस अवसर पर अखिलेश यादव ने शिक्षकों, छात्रों और शिक्षा से जुड़े सभी लोगों को शिक्षक दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज हम सभी लोग शिक्षक दिवस पर पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राधाकृष्णन को याद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा हमारा विकल्प नहीं संकल्प है। विकसित भारत तभी बनेगा जब शिक्षा पर ध्यान दिया जाएगा। हम सभी लोगों को संकल्प लेना चाहिए कि हमेशा शिक्षा और शिक्षकों का सम्मान करेंगे। हम लोग शिक्षा विरोधियों, तंग सोच वाले रूढ़िवादियों और सामंतवादियों के खिलाफ लड़ाई जारी रखेंगे। ये रूढ़िवादी लोग एकरंगी हैं। ये हिन्दुस्तानियत को पसंद नहीं करते है। भाजपा शिक्षा और शिक्षकों की उपेक्षा कर रही है। एक शिक्षक के प्रति सरकार ने क्या व्यवहार किया था। यह सभी लोग जानते हैं।

इस अवसर पर अखिलेश यादव ने 2000 शिक्षकों को सम्मानित किया। इनमें लखनऊ पब्लिक स्कूल के 18 शाखाओं के प्रिंसिपल भी शामिल थे। कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी की लखनऊ स्नातक क्षेत्र से एमएलसी प्रत्याशी एवं पूर्व एमएलसी श्रीमती कान्ती सिंह एवं लखनऊ शिक्षक क्षेत्र से एमएलसी प्रत्याशी सुशील कुमार ने भी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का स्वागत किया।

कार्यक्रम के बाद मीडिया से बात करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि समाज में सौहार्द बनाये रखना सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। सरकार की



प्राथमिकता भी सौहार्द होनी चाहिए। सच्चा सनातनी सौहार्द पसंद होता है। भाजपा सरकार सौहार्द विरोधी है। समाज में वैमनस्यता फैलाती है। उन्होंने कहा कि सहारनपुर मामले में ये सब इसलिए हो रहा है, क्योंकि भाजपा के लोगों ने अयोध्या में रामधन की चोरी की है। रामधन चोरी में भाजपाई पकड़े गये है। इन्होंने आस्था के साथ खिलवाड़ किया है। आस्थावान गरीब लोगों ने प्रभु राम के मंदिर में जो चढ़ावा दिया था भाजपाइयों ने उसकी लूट कर ली। भाजपाई जनता के सामने बेनकाब हो गये है। जनता भाजपा को समझ गयी है। भाजपा की साख खतम हो गयी है। इनका सब कुछ छिन गया है। भाजपा घबराई हुई है। प्रदेश में साम्प्रदायिक सौहार्द के साथ खिलवाड़ कर रही है। ये लोग कम्यूनल एंगल देकर घटनाएं करा रहे है। सहारनपुर मामले में अधिकारियों ने सरकार के इशारे पर काम किया है। जिससे पीड़ित पक्ष हाईकोर्ट न जा पाए। उन्होंने कहा कि सहारनपुर मामले में पीड़ित पक्ष हाईकोर्ट जाता तो उसे न्याय मिलता और वे लोग सुप्रीमकोर्ट भी जा सकते थे।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा साम्प्रदायिक सौहार्द विरोधी है। यह वही भाजपा है जिसने अपने पहले अधिवेशन में और पहला अध्यक्ष बनने पर सबसे ज्यादा चंदा मुस्लिम लोगों से लिया था। भाजपा ने अपने आपको सेकुलर दिखाने और बनाने के लिए प्रस्तावक भी मुस्लिम रखा था।

हर माह की तरह लक्की अतुर्रा फाउंडेशन ने बांटी वृद्धा एवं विधवा पेंशन





रिपोर्टर अरविन्द कुमार-जसराना, 5 सितंबर। लक्की अतुर्रा फाउंडेशन की ओर से समाजसेवा के क्षेत्र में निरंतर किए जा रहे प्रयासों के तहत शनिवार को वृद्धजनों एवं विधवा महिलाओं को पेंशन का वितरण किया गया। फाउंडेशन द्वारा प्रत्येक माह जरूरतमंद लोगों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। फाउंडेशन के अध्यक्ष लोधी देवेंद्र सिंह की अनुपस्थिति में पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने पेंशन वितरण की जिम्मेदारी संभाली। इस दौरान जरूरतमंद वृद्धजनों और विधवा महिलाओं को नियमित पेंशन प्रदान की गई। पेंशन प्राप्त करने वाले लाभार्थियों ने फाउंडेशन के इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे जरूरतमंद परिवारों के लिए सहारा बताया। फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने कहा कि संस्था का मुख्य उद्देश्य समाज के असहाय, जरूरतमंद, वृद्ध एवं विधवा लोगों की सहायता करना है। नियमित रूप से पेंशन उपलब्ध कराकर उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर एवं मजबूत बनाने का प्रयास किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि लोधी देवेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में फाउंडेशन की समाजसेवा निरंतर जारी रहेगी। भविष्य में भी जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए विभिन्न सामाजिक एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। संस्था का प्रयास है कि समाज के कमजोर वर्ग तक सहायता पहुंचाकर उन्हें सम्मानजनक जीवन जीने में सहयोग दिया जा सके।

शिक्षक विद्यार्थियों को शून्य से शिखर तक पहुंचाने का कार्य करते हैं: राम करण शाक्य

रिपोर्टर अरबिन्द कुमार

शिकोहाबाद। कुशवाहा जिला सभा जनपद फिरोजाबाद के तत्वावधान में शुक्रवार को ग्राम असुआ में शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। मुख्य अतिथि इटावा निवासी राम करण शाक्य ने कहा कि शिक्षक अपने विद्यार्थियों को शून्य से शिखर तक पहुंचाने का कार्य करता है। शिक्षक अपने छात्र के साथ कुम्हार की तरह रहता है और धीरे-धीरे उसकी कमियों को खूबियों में बदलकर उसके व्यक्तित्व को निखारता है।विशिष्ट अतिथि एवं पूर्व डीजीसी कोमल सिंह ने कहा कि बालक को जन्म भले ही माता-पिता देते हैं, लेकिन जीवन जीने का सही तरीका और संस्कार शिक्षक ही सिखाता है। भाजपा जिलामंत्री स्नेहलता एवं मंडल अध्यक्ष अनार सिंह ने संयुक्त रूप से कहा कि शिक्षक मोमबत्ती के समान होता है, जो स्वयं जलकर विद्यार्थियों के जीवन में ज्ञान का प्रकाश फैलाता है और उत्कृष्ट समाज के निर्माण में योगदान देता है।डॉ. प्रांजलि कुशवाह 'प्रज्ञान' ने कहा कि भारत की भूमि सदैव गुरुओं की भूमि रही है। उन्होंने कहा कि खंडित भारत को अखंड करने का स्वप्न भी एक गुरु ने अपने शिष्य के माध्यम से पूरा किया था। ऐसे में जीवन में शिक्षकों का योगदान अतुलनीय है। कार्यक्रम में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के साथ-साथ बिहार लेनिन बाबू जगदेव प्रसाद कुशवाहा का शहादत दिवस भी मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. संतोष कुशवाहा ने की। कुशवाहा जिला सभा के जिलाध्यक्ष प्रेम प्रकाश कुशवाहा ने आभार व्यक्त किया, जबकि संचालन राजू कुशवाहा ने किया।इस अवसर पर बंटू कुशवाहा, रामू, रवीश, नरेंद्र, विक्रम, ज्ञान सिंह, मोहित सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।



आरआईएस के छात्र-छात्राओं ने शिक्षकों का अभिनन्दन कर लिया आशीष

गर्गाचार्य टाइम्स-मथुरा। राजीव इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को शिक्षक दिवस पर छात्र-छात्राओं ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के कृतित्व और व्यक्तित्व को नमन करते हुए अपने गुरुजनों का स्वागत और अभिनन्दन किया। शिक्षक दिवस कार्यक्रम का शुभारम्भ प्राचार्या नंदिता ढींगरा ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन एवं विद्या की आराध्य देवी मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। राजीव इंटरनेशनल स्कूल के छात्र-छात्राओं ने मनमोहक कार्यक्रमों के बीच शिक्षक दिवस मनाया। छात्र-छात्राओं ने न केवल नयनाभिराम प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीता बल्कि अपने गुरुजनों को बैज व उपहार भेंटकर उनका अभिनंदन किया तथा उनसे आशीष लिया। विद्यालय की प्राचार्या नंदिता ढींगरा ने छात्र-छात्राओं को बताया कि शिक्षक उस सड़क की तरह होते हैं जो स्वयं उसी स्थान पर रहते हैं लेकिन छात्र-छात्राओं का जीवन संवार कर उन्हें आगे बढ़ा देते हैं। उन्होंने कहा कि एक मां जहां अपने बच्चों को संस्कारवान बनाती है वहीं शिक्षक बच्चों को शिष्टाचार सिखाते हुए उनका बौद्धिक विकास करते हैं। प्राचार्या नंदिता ढींगरा ने कहा कि बदलते परिवेश में शिक्षकों का कार्य और अधिक जवाबदेही का हो गया है लिहाजा उन्हें छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए सतत प्रयत्न करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो छात्र-छात्राएं गुरु द्वारा दिए जाने वाले ज्ञान को व्यावहारिक रूप से अपने जीवन में उतार लेते हैं वही सफलता के शिखर पर पहुंचते हैं। श्रीमती ढींगरा ने कहा कि गुरु का दर्जा भगवान से भी बड़ा माना जाता है क्योंकि अपने शिष्य को गुरु ही ईश्वर तक पहुंचने की राह दिखाता है। कार्यक्रम का संचालन टीशा और शेव्या ने किया। आर.के. एजूकेशनल ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने सभी गुरुजनों को शिक्षक दिवस की बधाई देते हुए अपने संदेश में कहा कि शिक्षक होना अपने आप में गर्व और गौरव की बात है। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि शिक्षकों का कार्य केवल बच्चों को शिक्षित करना ही नहीं बल्कि उनमें अच्छे गुणों का विकास करना भी है। उन्होंने कहा कि गुरु के बिना ज्ञान की प्राप्ति असम्भव है। गुरु, शिष्य की न सिर्फ खामियों को सुधारता है बल्कि उसके पूरे व्यक्तित्व को भी निखारता है।



'रनों और टनों से भरे साल की शुभकामनाएं'

युवराज सिंह ने अभिषेक शर्मा को जन्मदिन की बधाई दी



नई दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने शुक्रवार को अपने अभिषेक शर्मा को उनके 26वें जन्मदिन पर खास शुभकामनाएं दीं। अभिषेक शर्मा को एक विस्फोटक बल्लेबाज बनाने में युवराज सिंह का मार्गदर्शक के रूप में अहम योगदान रहा है। युवराज ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा करते हुए अभिषेक को जन्मदिन की बधाई दी। युवराज ने लिखा, 'सर अभिषेक, यह आपका जन्मदिन है। कितना शुभ दिन है। आप जैसे बन गए हैं, उससे प्यार करें - अपने आस-पास के लोगों के साथ शेयरिंग और केयरिंग, और एक लीडर। हमेशा अपनी नाकामियों से सीखते हैं और हर बार और ज्यादा मेहनत करने को तैयार रहते हैं। आपको रनों और टनों से भरे साल की शुभकामनाएं। हमेशा ढेर सारा प्यार।' वीडियो में युवराज और अभिषेक से रैश शॉट न खेलने के लिए कहते और उसकी गलतियों के लिए उससे सिट-अप करवाते हुए देखे जा सकते हैं। युवराज को यह कहते हुए सुना जा सकता है, 'बोल मैं पहली बॉल ते लप्पा नहीं मारूंगा। अभिषेक सिट-अप्स में कान पकड़ते हैं और कहते हैं कि मैं पहली बॉल ते लप्पा नहीं मारूंगा। ' वीडियो में दोनों के बीच करीबी रिश्ते को भी दिखाया गया है, जिसमें युवराज के कुछ हल्के-फुल्के मजाक भी हैं। इसमें युवराज, अभिषेक और संजू सैमसन को स्टैंड से विंबलडन इवेंट में शामिल होते हुए भी दिखाया गया है। साझा वीडियो में युवराज ने अभिषेक से पूछा, 'आपको क्या चाहिए?' अभिषेक ने कहा, 'आपका आशीर्वाद,' इस पर युवराज ने कहा, 'हमेशा। '

बेन शेल्टन ने शापोवालोव को और टियाफो ने वचेरोट को हराकर

चौथे राउंड में जगह बनाई



न्यूयॉर्क । बेन शेल्टन ने डेनिस शापोवालोव को 3 घंटे 22 मिनट तक चले मुकाबले में हराकर यूएस ओपन 2026 के पुरुष एकल के चौथे राउंड में जगह बना ली है। शेल्टन ने शापोवालोव को 7-6(3), 6-7(5), 6-2, 6-4 से हराया।23 साल के अमेरिकी खिलाड़ी दूसरे सेट में दो बार सर्व नहीं कर पाए, जिससे शापोवालोव को वापसी करने का मौका मिला और फिर टाईब्रेक जीतकर मैच बराबर कर दिया। इस हार से शेल्टन पर कोई खास असर नहीं पड़ा। उन्होंने तीसरे सेट में और ज्यादा आक्रामक तरीके से वापसी की और कनाडाई खिलाड़ी का स्तर गिरते ही फायदा उठाया। एक तेज रिटर्न विनर ने लाइन को पार करते हुए शेल्टन को चौथे राउंड की शुरुआत में ही ब्रेक करने में मदद की, और उन्होंने मुकाबला खत्म करने तक अपनी बढ़त बनाए रखी। इस जीत ने लेक्सस एटीपी हेड टू हेड राइवलरी में शापोवालोव पर शेल्टन के दबदबे को 5-0 कर दिया। उन्हें चौथे राउंड में स्टेफानोस सिटसिपास के साथ मुकाबला मिला है।

पूर्व वर्ल्ड नंबर 3 ने 18वीं सीड जिरी लेहेका को 2-6, 6-1, 7-6(3), 6-1 से हराकर अपनी वापसी की। दो बार के ग्रैंड स्लैम फाइनलिस्ट सिटसिपास ने पहले 10वीं सीड आर्थर फिल्स को हराया था और अब वह टूर्नामेंट में नौ बार खेलने के बाद पहली बार यूएस ओपन के चौथे राउंड में पहुंचे हैं।

टियाफो ने लुइस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में लाइट्स के नीचे 1 घंटे 59 मिनट में वैलेंटिन वचेरोट को 6-4, 6-2, 6-4 से हराया। 11वें सीड खिलाड़ी ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, सिर्फ 13 अनफोर्स्ड गलतियों के मुकाबले 30 विनर लगाए और अपने पहले सर्व पॉइंट्स का 85 प्रतिशत जीता। इस नतीजे के साथ वह यूएस ओपन के चौथे राउंड में छठी बार पहुंचे। सीजन की यह उनकी 40वीं टूर-लेवल जीत थी। टियाफो अब अलेक्जेंडर ज्वेरेव और जैनिक सिनर के साथ 2026 में कम से कम 40 टूर-लेवल जीत वाले अकेले खिलाड़ी बन गए हैं। टियाफो का अगले दौर में सामना मेदवेदेव से होगा। मेदवेदेव आर्थर रिंडरकनेच को 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर चौथे राउंड में पहुंचे हैं।

सीपीएल 2026: दासुन शनाका का ऐतिहासिक शतक

सेंट किट्स ने सेंट लूसिया को 137 रन से हराया



वार्नर पार्क । कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 के 25वें मैच में श्रीलंकाई बल्लेबाज दासुन शनाका ने इतिहास रच दिया। सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स की तरफ से खेलते हुए शनाका ने लीग के इतिहास का सबसे तेज शतक लगाया। शनाका की शतकीय पारी की बदौलत सेंट किट्स ने सेंट लूसिया किंग्स को 137 रन के विशाल अंतर से हराया। सेंट लूसिया किंग्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी सेंट किट्स की तरफ से पारी की शुरुआत जॉनसन चार्ल्स और काइल मायर्स ने की। शुरुआत अच्छी नहीं रही और मायर्स मात्र 1 रन बनाकर 8 के स्कोर पर पहले विकेट के रूप में आउट हुए। चार्ल्स और फ्लेचर ने दूसरे विकेट के लिए 48 गेंदों पर 81 रन की साझेदारी की। चार्ल्स 23 गेंदों पर 26 रन बनाकर दूसरे विकेट के रूप में आउट हुए। इसके बाद दासुन शनाका चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए।

श्री चरणी ने दीप्ति शर्मा को पीछे छोड़ा

खतरे में पूनम यादव का रिकॉर्ड



नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम दुबई में खेले जा रहे एशिया कप में बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है। लगातार 2 मैच जीतकर भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। ग्रुप स्टेज में टीम इंडिया को पाकिस्तान के खिलाफ एक और मैच खेलना है। गुरुवार को भारतीय टीम ने हांगकांग को 137 रनों से हराया। इस मैच में स्मृति मंधाना के विस्फोटक शतक के साथ ही श्री चरणी ने भी अपनी गेंदबाजी के खास उपलब्धि हासिल की। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 193 रन बनाए थे। हांगकांग 16.2 ओवर में 56 रन पर सिमट गई और 137 रन से हार गई। हांगकांग को 56 पर समेटने में श्री चरणी का अहम योगदान रहा। बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने 3.2 ओवर में 16 रन देकर 2 विकेट लिए। इसके अलावा, दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट लिए, जबकि नंदिनी शर्मा और प्रेमा रावत को भी 2-2 विकेट लिए।

श्री चरणी ने 2 विकेट लेकर एक साल में सर्वाधिक टी20 विकेट लेने के वाले भारतीय गेंदबाजों की सूची में दीप्ति शर्मा को पीछे छोड़ दिया। चरणी ने 2026 में अब तक 31 टी20 विकेट लिए है। दीप्ति शर्मा ने 2024 में 30 और 2022 में 29 विकेट लिए थे।

एक साल में सर्वाधिक टी20 विकेट लेने का महिला भारतीय रिकॉर्ड पूनम यादव के नाम है। पूनम ने 2018 में 35 विकेट लिए थे। श्री चरणी के पास इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने का भरपूर अवसर है। पूरी संभावना है कि जारी एशिया कप में ही चरणी एक साल में सर्वाधिक टी20 विकेट लेने वाली भारतीय महिला गेंदबाज होने का भारतीय रिकॉर्ड अपने नाम कर लेंगी। हांगकांग के खिलाफ हुए इस मैच का मुख्य आकर्षण स्मृति मंधाना की शतकीय पारी रही। मंधाना ने 64 गेंदों पर 7 छक्कों और 14 चौकों की मदद से 124 रन की पारी खेली। मंधाना का टी20 क्रिकेट का यह दूसरा और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का 18वां शतक था। मंधाना अब महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाली बल्लेबाज बन गई हैं।

बीसीसीआई ने किया ऐलान: पहली बार भारत और जापान के बीच खेला जाएगा टी20 मुकाबला

नई दिल्ली। भारत और जापान के बीच राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने के मौके पर इस महीने के आखिर में दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक टी20 इंटरनेशनल मुकाबला खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को इस बात की घोषणा की है। 'सुजुकी कप' नाम का यह मैच 22 सितंबर को तोचिगी प्रान्त के सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा। यह मैच 'स्पोर्ट 75' नाम की एक बड़ी द्विपक्षीय पहल की शुरुआत करने वाला मुख्य कार्यक्रम है। यह पहल जापानी प्रधानमंत्री सनाए तकाइची और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच शिखर सम्मेलन में हुए समझौते से शुरू हुई थी, जिसका मकसद खेलों के आदान-प्रदान और सहयोग को बढ़ावा देना है। शुक्रवार को बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने एक बयान में कहा, 'बीसीसीआई इस ऐतिहासिक मौके का हिस्सा बनकर खुश है, क्योंकि भारत और जापान की पुरुष टीमें जापान में एक खास टी20 इंटरनेशनल मैच के लिए एक साथ आ रही हैं। यह क्रिकेट के लिए एक अहम पल है, क्योंकि इससे भारतीय टीम एक नई जगह पर जा रही है और जापान व पूर्वी एशिया में ज्यादा लोगों तक खेल को पहुंचाने का मौका मिल रहा है। '



उन्होंने आगे कहा, 'भारत और जापान के बीच मजबूत रिश्ते और लंबे समय से चली आ रही दोस्ती है। हमें खुशी है कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के 75 साल पूरे होने के जश्न में क्रिकेट भी शामिल होगा। हम इस मैच को मुमकिन बनाने की कोशिशों के लिए जापान क्रिकेट एसोसिएशन (जेसीए) का शुक्रिया अदा करते हैं। '

सैकिया ने आगे कहा कि भारतीय बोर्ड गैर-पारंपरिक इलाकों में खेल के विस्तार की कोशिशों में मदद करने की अपनी जिम्मेदारी को समझता है। उन्होंने कहा, 'बीसीसीआई का मानना ??है कि क्रिकेट का विकास इसके पारंपरिक इलाकों से आगे बढ़ना चाहिए, और दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट बोर्ड के तौर पर हम उस विकास में योगदान देने की अपनी जिम्मेदारी को समझते हैं। बीसीसीआई, जापान में क्रिकेट को और मजबूत करने और आने वाले वर्षों में इस रिश्ते को और आगे बढ़ाने के लिए जेसीए के साथ मिलकर काम करेगा। '

फैन्स की बढ़ती दिलचस्पी को देखते हुए आयोजक सानो वेन्यू की क्षमता को आमतौर पर 500 दर्शकों से बढ़ाकर 2,000 करने की योजना बना रहे हैं। जल्द ही आधिकारिक तौर पर टिकटों की बिक्री शुरू होने की उम्मीद है। भारतीय पुरुष टीम 24 सितंबर से 3 अक्टूबर तक एशियन गेम्स के पुरुष इवेंट में खेलने के लिए जापान आ रही है।

जापान क्रिकेट एसोसिएशन के चीफ एग्जीक्यूटिव नाओकी मियाजी ने मौजूदा वर्ल्ड चैंपियंस के आने को स्थानीय स्तर पर इस खेल के लिए एक बड़ा बदलाव बताया। 'मौजूदा वर्ल्ड चैंपियंस को जापान में क्रिकेट के लिए घर में बुलाना हमारी एसोसिएशन के लिए एक यादगार पल है।

10,000 रन की लिस्ट में 3-4 और भारतीय खिलाड़ियों को देखना चाहती हूं: स्मृति

दुबई । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने दुबई में टी20 फॉर्मेट में खेले जा रहे महिला एशिया कप में गुरुवार को हांगकांग के खिलाफ खेले गए मैच में 64 गेंदों पर 124 रनों की पारी खेली। अंतरराष्ट्रीय टी20 में मंधाना का यह दूसरा और ओवरऑल 18वां शतक था। मंधाना अब अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक और सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। स्मृति मंधाना का भारत में महिला क्रिकेट को लोकप्रिय बनाने में बड़ा योगदान रहा है। मंधाना ने तीनों ही फॉर्मेट में अपनी दमदार बल्लेबाजी दर्शकों का ध्यान महिला क्रिकेट की तरफ खींचा है। साथ ही लड़कियों में क्रिकेट खेलने के प्रति रुचि जगाई है। हांगकांग के खिलाफ भारतीय टीम की 137 रन से जीत के बाद मंधाना ने बीसीसीआई द्वारा साझा वीडियो में कहा, 'मुझे हमेशा लगता था कि यह मेरा काम है। मैंने कभी भी रिकॉर्ड्स और नंबर्स और इंडिया के लिए जीते गए मैचों की संख्या के अलावा किसी और चीज के बारे में नहीं सोचा। यह एक ऐसा पैमाना है जिसे आप वापस लेते हैं। आप यह वापस नहीं लेते कि आपने कितने रन या रिकॉर्ड तोड़े हैं। ' मंधाना ने कहा, 'अगर मेरी वजह से दस प्रतिशत लड़कियां भी बैट और बॉल उठाकर क्रिकेट खेलना शुरू करती हैं, तो मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा होगा जिस पर मुझे हमेशा गर्व और खुशी होगी। 'अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने का कीर्तिमान हासिल करने पर मंधाना ने कहा, 'मिताली को देखते हुए बड़ी हुई हूं। वह हर किसी के लिए आदर्श रही हैं। मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं 10,000 तक पहुंचूंगी और उनसे आगे निकल जाऊंगी। उम्मीद है कि 10,000 की लिस्ट में इंडियन सेट-अप से तीन-चार और खिलाड़ी होंगे और मैं इसी से आंकलन करना चाहूंगी। अगर मैं सवाल पर वापस आऊं, तो टॉप पांच लिस्ट में तीन या चार को साथ रखना बहुत अच्छा होगा, और वहां तीन या चार भारतीय होंगे। मुझे लगता है कि मैं इसी से अपने करियर को आंकूंगी। '



स्मृति अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज हो गई हैं। तीनों फॉर्मेट मिलाकर उन्होंने 10,880 रन बनाए हैं। हांगकांग के खिलाफ मैच में उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज के 10,868 रन के रिकॉर्ड को तोड़ा।

मंधाना ने अपने खेल में सुधार की बात की। उन्होंने कहा, 'मैं यह नहीं कहूंगी कि आप एक बल्लेबाज या गेंदबाज के तौर पर कभी पूरे होते हैं। अगर आपको ऐसा लगता है, तो क्रिकेट हमेशा आपको दिखाएगा कि आप पूरे नहीं हैं। '

दलीप ट्रॉफी: फाइनल में साउथ जोन के लिए खेलेंगे पडिक्कल और सिराज

नई दिल्ली । भारत के इंटरनेशनल खिलाड़ी देवदत पडिक्कल और मोहम्मद सिराज दलीप ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले मे साउथ जोन की तरफ से खेलेंगे। खिताबी मुकाबले में साउथ जोन की भिड़ंत ईस्ट जोन से 6 सितंबर से होनी है। ये दोनों खिलाड़ी हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में खेले थे, जिसे भारत ने 1-0 से अपने नाम किया था। इस सीरीज में पडिक्कल का प्रदर्शन दमदार रहा था और उन्होंने 2 टेस्ट मैचों में 328 रन बनाए थे। पडिक्कल के बल्ले से दोनों ही मुकाबलों में शतकीय पारी निकली थी और वह 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' रहे थे। सिराज का प्रदर्शन भी श्रीलंका के खिलाफ बढ़िया रहा था और उन्होंने कुल 4 विकेट अपने नाम किए थे। हालांकि, इन दोनों को फाइनल के लिए टीम में शामिल किया गया है, लेकिन यह साफ नहीं है कि इन्होंने टीम में किसकी जगह ली है। 'ईएसपीएन क्रिकइंफो' के अनुसार, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन और तिलक वर्मा नियमित रूप से भारत की टी20 टीम का हिस्सा हैं। इसके बावजूद, उनके दलीप ट्रॉफी का फाइनल खेलने की संभावना है। पडिक्कल और सिराज को फाइनल मुकाबले के लिए साउथ जोन के स्क्वॉड में शामिल किया गया है। हालांकि, यह मैच 10 सितंबर को खत्म होगा, जबकि भारत की अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल सीरीज सिर्फ तीन दिन बाद शुरू होनी है। फिर भी उम्मीद की जा रही है कि ये खिलाड़ी फाइनल में खेल सकते हैं। तिलक ने हाल ही में नॉर्थ जोन के खिलाफ सेमीफाइनल में साउथ जोन के लिए शानदार शतक लगाया था और रेड-बॉल टूर्नामेंट के फाइनल में खेलने की इच्छा जाहिर की थी। तिलक वर्मा ने गुरुवार को कहा, 'मैं दलीप ट्रॉफी का फाइनल खेलना चाहता हूं। अभी हमारा मैच खत्म हुआ है और अफगानिस्तान के खिलाफ पहला टी20 मैच 13 सितंबर को है। इसी कारण मेरे पास फाइनल खेलने का समय है। फाइनल के बाद हमारे पास दो दिन का ब्रेक भी रहेगा। अगर मैं 11 सितंबर को टीम से जुड़ता हूं, तो एक दिन अभ्यास कर सकता हूं और फिर मैच खेलने के लिए तैयार रहूंगा।' तिलक ने सेमीफाइनल में साउथ जोन की कप्तानी की थी, जबकि ईशान किशन ईस्ट जोन की कमान संभालते हुए नजर आए थे। वैभव सूर्यवंशी ने ईस्ट जोन के उपकप्तान की जिम्मेदारी संभाली थी।



पाक टीम में हुए बदलावों को लेकर गिलेस्पी ने की आकिब जावेद की आलोचना

बोले- डरकर खेल रहे खिलाड़ी

एडिलेड। पाकिस्तान के पूर्व हेड कोच जेसन गिलेस्पी ने इंग्लैंड के मौजूदा टेस्ट दौरे के बीच टीम में किए गए बड़े बदलावों के बाद चीफ सिलेक्टर आकिब जावेद की जमकर आलोचना की है। उन्होंने कहा कि नेशनल टीम के खिलाड़ी डर के साये में खेल रहे हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों में मिली बड़ी हार के बाद कड़े फैसले लिए हैं।

बोर्ड ने हेड कोच सरफराज अहमद और गेंदबाजी कोच उमर गुल को उनके पद से हटा दिया। इसके अलावा मोहम्मद रिजवान, इमाम-उल-हक और सलमान अली आगा समेत सात खिलाड़ियों को टीम से बाहर कर घर भेज दिया गया है। यह कार्रवाई हेडिंग्ले और लॉर्ड्स में पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन के बाद की गई। 2024 में पाकिस्तान टीम को कोचिंग देने वाले गिलेस्पी ने कहा कि अचानक हटाए जाने से पता चलता है कि जावेद की अगुवाई वाली सिलेक्शन कमेटी में रणनीतिक दिशा की पूरी तरह कमी है।

शुक्रवार को गिलेस्पी ने कहा, 'मुझे खिलाड़ियों के लिए बुरा लगता है, यह उनकी रोजी-रोटी है। बाहर से देखने पर ऐसा लगता है कि वे डरकर खेल रहे हैं। सलमान अली आगा इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में टीम की कप्तानी करते हैं, फिर दूसरे टेस्ट के लिए टीम से बाहर हो जाते हैं और तीसरे टेस्ट से पहले घर लौटने वाले प्लेन में होते हैं। यह कैसे होता है? यह बिल्कुल साफ है कि उनके पास कोई सिलेक्शन रणनीति नहीं है, खासकर आकिब जावेद के नेतृत्व में। वे अपनी राय वैसे ही बदलते हैं, जैसे पैंट बदलते हैं- रोजाना। '

भारतीय अंडर 19 टीम के लेग स्पिनर रोहित यादव पर 2 साल का बैन

नई दिल्ली । क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) को रोहित यादव के जन्म से जुड़े कागजात में उम्र को लेकर बड़ी गड़बड़ी मिली है, जिसके बाद भारत की अंडर-19 पुरुष टीम के लेग-स्पिनर पर दो साल का बैन लगा दिया गया है। यादव जुलाई में श्रीलंका दौरे पर गई भारत की अंडर-19 पुरुष टीम का हिस्सा थे और उन्होंने यूथ टेस्ट में 6 विकेट भी लिए थे। हालांकि, कागजात की जांच में जन्म-रिकॉर्ड में बड़ी गड़बड़ी पाए जाने के बाद अब उन्हें खेल के सभी फॉर्मेट में खेलने से रोक दिया गया है। इस कारण उन्हें उस टीम से भी बाहर कर दिया गया है, जो इस महीने के आखिर में राजकोट और अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम के खिलाफ पांच वनडे और दो मल्टी-डे मैच खेलने वाली है। शुक्रवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने 'आईएएनएस' को बताया, 'हां, सीएबी से जानकारी मिलने के बाद उन्हें टीमों से हटा दिया गया है। दोनों टीमों में उनकी जगह कौन लेगा, इस बारे में बाद में पता चलेगा।' सीएबी की

उम्र में गड़बड़ी के कारण कार्रवाई



जांच में यादव से जुड़े कई दस्तावेजों में अलग-अलग जानकारी मिली। जांच के दौरान उनके तीन अलग-अलग जन्म प्रमाण पत्र सामने आए, जिनमें जन्म वर्ष 2006, 2007 और 2009 दर्ज है। इसके अलावा, 2014 से 2021 के बीच उनके आधार कार्ड की जानकारी में भी कई बार बदलाव किए गए थे। माना जा रहा है कि इन अलग-अलग रिकॉर्ड की वजह से उनकी उम्र को लेकर करीब 27 महीने का अंतर सामने आया है।

सीएबी की कार्रवाई के तहत, उम्र में गड़बड़ी और कागजात में अनियमितताओं के कारण कुल 65 खिलाड़ियों को 2026-27 और 2027-28 घरेलू सीजन के लिए रजिस्ट्रेशन या ट्रांसफर से रोक दिया गया है। सजा पाने वालों में भारत की अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रवि कुमार भी शामिल हैं। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने अंडर-19 विश्व कप 2022 के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए 34 रन देकर 4 विकेट लिए थे और भारत को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, सीएबी की जांच में रवि कुमार की उम्र से जुड़े रिकॉर्ड में 45 महीने का अंतर पाया गया है। इसके चलते 2021/22 से 2025/26 सीजन के बीच जूनियर और उम्र-वर्ग की प्रतियोगिताओं में उनके सभी रिकॉर्ड अमान्य माने जाएंगे।

आरबीआई ने ट्रांसयूनियन सिबिल समेत पांच कंपनियों पर लगाया जुर्माना

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियमों का उल्लंघन किए जाने के मामले में पांच कंपनियों पर मौद्रिक जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक नेयह जानकारी दी। आरबीआई की अधिसूचना के अनुसार, ट्रांसयूनियन सिबिल पर 26,82,800 रुपये, सीआरआईएफ हाई मार्क क्रेडिट इन्फॉर्मेशन सर्विसेज पर 6,89,600 रुपये, इक्विफैक्स क्रेडिट इन्फॉर्मेशन सर्विसेज पर 1,19,400 रुपये, सम्मान फिनसर्व पर 4.20 लाख रुपये और हिंदुजा लेलैंड फाइनेंस पर 6.20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि ट्रांसयूनियन सिबिल, सीआरआईएफ हाई मार्क क्रेडिट इन्फॉर्मेशन सर्विसेज और इक्विफैक्स क्रेडिट इन्फॉर्मेशन सर्विसेज निर्धारित अवधि के भीतर कुछ पात्र शिकायतकर्ताओं के बैंक खातों में मुआवजे की राशि जमा करने में विफल रहीं। इस उल्लंघन के लिए उनपर जुर्माना लगाया गया।इसके अलावा, सम्मान फिनसर्व ने अपने कर्जदार की ऋण संबंधी जानकारी सेंट्रल रिपॉजिटरी ऑफ इंफॉर्मेशन ऑन लार्ज क्रेडिट्स (सीआरआईएलसी) को नहीं दी थी।आरबीआई ने कहा कि हिंदुजा लेलैंड फाइनेंस ने सूक्ष्म वित्त ऋणों के मूल्य निर्धारण को लेकर बोर्ड से मंजूर नीति लागू नहीं की थी।

ई-कॉमर्स निर्यात से छोटे शहरों के कारोबारियों को मिलेगी मदद- विशेषज्ञ

नई दिल्ली ।

विशेषज्ञों ने शुक्रवार को कहा कि ई-कॉमर्स माध्यम से निर्यात को बढ़ावा देने के सरकारी उपायों से देश के छोटे शहरों के व्यापारियों को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा।उन्होंने कहा कि हथकरघा, हस्तशिल्प और आभूषण जैसे क्षेत्रों से जुड़े कारीगरों द्वारा बनाए गए उत्पाद वैश्विक बाजारों तक अपनी पहुंच बना सकेंगे। पायोनियर इंडिया के एक अ अे धिकारी ने कहा, 'ई-कॉमर्स करूर, पानीपत, जयपुर, मुरादाबाद या तिरुपुर के किसी विक्रेता को अपनी वृद्धि यात्रा के काफी शुरुआती दौर में ही विदेशी खरीदारों तक पहुंचने की गुंजाइश दे रहा है। हालांकि, उन्होंने कहा कि ग्राहकों की खोज केवल पहला कदम है और छोटे निर्यातकों को सीमा पार भुगतान के ऐसे भरोसेमंद बुनियादी ढांचे की भी आवश्यकता है जो ऑर्डर की संख्या बढ़ने पर उनका समर्थन कर सके। उन्होंने कहा, 'यह बदलाव न केवल भारत के निर्यात के मूल्य को बदल सकता है, बल्कि यह भी तय कर सकता है कि निर्यात आधारित आर्थिक गतिविधियां कहां संचालित होंगी। पारंपरिक निर्यात मॉडल ने अक्सर स्थापित विदेशी साझेदारों, व्यापक वितरण नेटवर्क और भारी मात्रा में खेप संभालने की क्षमता वाले बड़े व्यवसायों का पक्ष लिया है। उन्होंने कहा कि ई-कॉमर्स छोटे विक्रेताओं को अपेक्षाकृत कम मात्रा के ऑर्डर से शुरुआत करने की अनुमति देकर इनमें से कुछ शुरुआती बाधाओं को कम करता है। शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि भारत को 2030 तक ई-कॉमर्स के माध्यम से 350 अरब अमेरिकी डॉलर के वस्तु निर्यात का लक्ष्य रखना चाहिए।

वायरल देसाई को नाइट फ्रैंक इंडिया की कमान

अगले साल अप्रैल से संभालेंगे पद

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट सलाहकार नाइट फ्रैंक इंडिया ने घोषणा की है कि अनुभवी वायरल देसाई अगले साल अप्रैल से कंपनी के नए मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) का पदभार संभालेंगे। देसाई वर्तमान में कंपनी में वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक-लेनदेन के पद पर कार्यरत हैं और उनकी यह पदोन्नति कंपनी के नेतृत्व ढांचे को मजबूत करेगी। कंपनी द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, देसाई 2007 में नाइट फ्रैंक से जुड़े थे और फिलहाल ऑक्यूपियर स्ट्रैटेजी एंड सॉल्यूशंस (ओएसएस), औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक्स, पूंजी बाजार और खुदरा एजेंसी कारोबार जैसे महत्वपूर्ण विभागों का प्रबंधन करते हैं। अपनी नई भूमिका में, देसाई कारोबार की सभी सेवाओं की प्रत्यक्ष निगरानी करेंगे और नाइट फ्रैंक इंडिया की वृद्धि के अगले चरण के लिए एक एकीकृत नेतृत्व ढांचा प्रदान करेंगे। नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल हैं। इस नियुक्ति पर नाइट फ्रैंक के एशिया-प्रशांत क्षेत्र के सीईओ क्रेग शुट ने कहा कि भारत कंपनी के सबसे महत्वपूर्ण और सफल वैश्विक कारोबारों में से एक है। मुंबई स्थित नाइट फ्रैंक इंडिया के प्रमुख शहरों में 2,000 से अधिक विशेषज्ञ कार्यरत हैं। यह लंदन मुख्यालय वाली वैश्विक संपत्ति सलाहकार कंपनी नाइट फ्रैंक एलएलपी का एक अहम हिस्सा है।

शुरुआती तीन दिन भारी बिकवाली, जन्माष्टमी पर मिली बढ़त

भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण जबरदस्त उतार-चढ़ाव देखा गया



मुंबई ।

बीते सप्ताह (अगस्त के अंत और सितंबर की शुरुआत में) भारतीय शेयर बाजार ने भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण जबरदस्त उतार-चढ़ाव देखा। शुरुआती दिनों में निवेशकों की धारणा पर वैश्विक नकारात्मक संकेतों और पश्चिम एशिया में नए सिरे से उपजे संघर्ष का भारी असर पड़ा, जिससे प्रमुख सूचकांकों में तेज गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, सप्ताह के अंत तक बाजार में कुछ सुधार देखा गया, जिससे गिरावट का सिलसिला थमा। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट के साथ हुई। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने वैश्विक बाजारों के साथ-साथ भारतीय निवेशकों को भी सहमा दिया। 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 307 अंक गिरकर 76,957.27 पर और निफ्टी 95 अंक टूटकर 24,080.40 पर बंद हुआ। मंगलवार को भी यह दबाव जारी रहा, हालांकि गिरावट मामूली थी, सेंसेक्स 12.99 अंक और निफ्टी 24.61 अंक फिसले। बुधवार को बाजार में सबसे बड़ी बिकवाली देखने को मिली, जहां घरेलू जीडीपी के शानदार आंकड़ों की खुशी भू-राजनीतिक तनाव के साये में फीकी पड़ गई। अमेरिकी-ईरान संघर्ष की आशंकाओं और होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने के डर ने सेंसेक्स को एक समय 800 अंक से अधिक तोड़ दिया, हालांकि अंत में यह 373.93 अंक गिरकर 76,570.35 पर और निफ्टी 141.35 अंक टूटकर 23,914.45 पर बंद हुआ। लगातार तीन दिनों की गिरावट के बाद, गुरुवार (4 सितंबर 2026, जन्माष्टमी) को भारतीय बाजार में एक बार फिर मजबूत शुरुआत देखने को मिली। सेंसेक्स में शुरुआती कारोबार में 550 अंक से अधिक का उछाल आया, जो निवेशकों में उम्मीद की किरण जगाई। शुक्रवार को भी यह सकारात्मक रुझान जारी रहा और प्रमुख सूचकांकों ने सप्ताह के मध्य में आई गिरावट के सिलसिले को समाप्त किया। विदेशी निवेश में वृद्धि और जोखिम लेने की बढ़ती प्रवृत्ति ने बाजार को सहारा दिया, जिससे सेंसेक्स 363 अंक बढ़कर 76,515 पर और निफ्टी 24 अंक से अधिक बढ़कर 23,898 के नीचे बंद हुआ। कुल मिलाकर, सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही लाल निशान में बंद हुए। सप्ताह की शुरुआत के ऊंचे स्तरों से देखें तो सेंसेक्स लगभग 740 अंक और निफ्टी लगभग 275 अंक नीचे आकर बंद हुए। हालांकि, इस दौरान भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले काफी मजबूत हुआ, जो सप्ताह की शुरुआत में 95.22 (अस्थायी) पर बंद होने के बाद शुक्रवार को 2 पैसे बढ़कर 94.49 (अस्थायी) पर आ गया, जो विदेशी पूंजी प्रवाह में वृद्धि का संकेत है। यह सप्ताह भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के कारण बाजार की संवेदनशीलता को दर्शाता है। कच्चे तेल और पश्चिम एशिया का तनाव निकट भविष्य में भी बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जबकि घरेलू आर्थिक आंकड़े एक अंतर्निहित मजबूती प्रदान कर रहे हैं।

एनएफआरए ने ऑडिट गुणवत्ता पर नौ-सदस्यीय सलाहकार समिति बनाई



नई दिल्ली

राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) ने ऑडिट की गुणवत्ता, आश्वासन और नई प्रौद्योगिकियों के उपयोग से संबंधित मुद्दों पर सलाह देने के लिए एक नौ-सदस्यीय सलाहकार समिति का गठन किया है। इस समिति में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की पूर्व डिप्टी गवर्नर श्यामला गोपीनाथ और बाजार नियामक सेबी के पूर्व पूर्णकालिक सदस्य अनंत नारायण जैसे विशेषज्ञ शामिल हैं। समिति में पेशेवरों, मुख्य वित्तीय अधिकारियों (सीएफओ), ऑडिट समितियों, स्वतंत्र निदेशकों और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों सहित विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व है। यह समिति ऑडिट मानकों के प्रभावी क्रियान्वयन और एकरूप उपयोग पर मार्गदर्शन प्रदान करेगी। इसके अलावा, यह ऑडिट में डेटा विश्लेषण, कृत्रिम मेधा (एआई) और मशीन लर्निंग जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के उपयोग से जुड़े जोखिमों और व्यावहारिक चुनौतियों पर सलाह देगी। साइबर सुरक्षा, क्लाउड संबंधी जोखिम, ऑडिट दस्तावेजों की गोपनीयता और ग्राहकों के डेटा की सुरक्षा जैसे विषयों पर भी समिति सुझाव देगी, जिससे ऑडिट प्रक्रियाएं सशक्त और भविष्य के लिए तैयार हो सकें।

क्विक कॉमर्स का बड़ा दांव, डार्क स्टोर्स बन रहे मिनी फुलफिलमेंट हब

डार्क स्टोर से मिनी फुलफिलमेंट सेंटर तक, क्विक कॉमर्स कंपनियों का बढ़ा खर्च

नई दिल्ली।

ब्लिंकइट और स्विगी इंस्टामार्ट जैसी क्विक कॉमर्स कंपनियां अपने डार्क स्टोरों पर बड़ा पूंजी निवेश कर रही हैं। यूबीएस की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रति डार्क स्टोर अब लगभग 2.5 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं, जो दो साल पहले के 1 करोड़ रुपये से काफी अधिक है। इसका मकसद इन स्टोरों को मात्र डिलीवरी पॉइंट से व्यापक उत्पाद श्रृंखला वाले मिनी फुलफिलमेंट केंद्रों में बदलना है। यह बदलाव स्टोर के आकार में 60-100 फीसदी वृद्धि को दर्शाता है। अब 2,000-3,000 वर्ग फुट की जगह 5,000 से 7,000 वर्ग फुट तक के डार्क स्टोर बनाए जा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 5,000 वर्ग फुट के स्टोर पर 2.4-2.5 करोड़ रुपये और 7,000 वर्ग फुट की इकाई पर 3 करोड़ रुपये तक का अनुमानित खर्च आ सकता है, जिसमें वेयरहाउस का बुनियादी ढांचा भी शामिल है। बड़े डार्क स्टोर अब स्थानीय स्तर पर अधिक रिजर्व और लॉन्ग-टेल स्टॉक रख सकेंगे, जिससे री-स्टॉक की जरूरत कम होगी। इससे डार्क स्टोरों की भूमिका बदल रही है; वे अब केवल डिलीवरी पॉइंट नहीं, बल्कि मिनी फुलफिलमेंट केंद्रों के तौर पर काम करेंगे।

आरबीआई अक्टूबर में बढ़ा सकता है ब्याज दरें

बैंकिंग सिस्टम में 10.3 लाख करोड़ रुपए की रिकॉर्ड लिक्विडिटी

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अपनी अगली मौद्रिक नीति समीक्षा (5-7 अक्टूबर) के दौरान ब्याज दरें बढ़ाने पर विचार कर सकता है। यह संभावना बैंकिंग तंत्र में रिकॉर्ड अधिशेष तरलता और केंद्रीय बैंक द्वारा घोषित 7 लाख करोड़ रुपये की 30-दिवसीय वेरिएबल रेट रिवर्स रीपो (वीआरआरआर) नीलामी के बाद पुख्ता हुई है, जिसमें पहली बार बैंकों को समय से पहले जमा राशि निकालने की अनुमति दी गई है। गुरुवार को बैंकिंग प्रणाली में तरलता 10.3 लाख करोड़ रुपये के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी। इस बढ़ती तरलता को नियंत्रित करने के उद्देश्य से आरबीआई सोमवार को 7 लाख करोड़ रुपये की वीआरआरआर नीलामी करेगा। बाजार के जानकारों का मानना है कि नीलामी में समय से पहले निकासी का विकल्प, बैंकों को महीने के अंत में कर भुगतान जैसी जरूरतों के बावजूद लंबी अवधि के लिए धन जमा करने में सहज महसूस कराएगा। डीलरों के अनुसार, आरबीआई के इस अभूतपूर्व कदम से बॉन्ड बाजार को राहत मिली है, क्योंकि इससे संकेत मिलता है कि अक्टूबर की मौद्रिक नीति समिति की बैठक से पहले तरलता से जुड़े और कोई बड़े उपाय नहीं किए जाएंगे। रुपये पर लगातार



दबाव, ऊंची बॉन्ड यील्ड और तरलता में असंतुलन को देखते हुए, विशेषज्ञों का मानना है कि आरबीआई के लिए ब्याज दरें बढ़ाना ही वर्तमान परिस्थितियों में सबसे उपयुक्त कदम होगा। बैंकिंग तंत्र में अतिरिक्त तरलता का मुख्य कारण विदेशी मुद्रा अनिवासी भारतीय (बैंक) जमा के लिए रियायती स्वैप विंडो थी, जिसके माध्यम से रिकॉर्ड 127.2 अरब डॉलर जुटाए गए थे, जिससे देश का विदेशी मुद्रा भंडार भी रिकॉर्ड 740.8 अरब डॉलर पर पहुंच गया है।

अनिल चक्रवर्ती होंगे अडोबी के अगले सीईओ, शांतनु नारायण बनेंगे चेयरमैन

शांतनु नारायण की जगह लेंगे भारतीय मूल के चक्रवर्ती

नई दिल्ली।

सॉफ्टवेयर दिग्गज अडोबी ने भारतीय मूल के अनिल चक्रवर्ती को अपना अगला मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। वह 1 दिसंबर से कार्यभार संभालेंगे, जबकि लंबे समय से कंपनी का नेतृत्व कर रहे शांतनु नारायण कार्यकारी चेयरमैन का पद ग्रहण करेंगे। यह बदलाव ऐसे समय में हो रहा है जब अडोबी आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) और एजेंटिक सॉफ्टवेयर में अपनी बढ़त मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। चक्रवर्ती भारतीय मूल के उन अधिकारियों की सूची में शामिल हो गए हैं, जो वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों की कमान संभाल रहे हैं। फिलहाल चक्रवर्ती अडोबी के ग्राहक अनुभव प्रबंधन और वैश्विक फील्ड ऑपरेशंस के अध्यक्ष हैं। शांतनु नारायण ने चक्रवर्ती को एक अनुभवी और बदलाव लाने वाले लीडर बताया, जिनके पास मूल्यों, ईमानदारी और व्यवसाय की गहरी समझ के साथ बेहतरीन उत्पाद बनाने तथा डिलीवर करने का शानदार रिकॉर्ड है। नारायण कार्यकारी चेयरमैन के रूप में इस नेतृत्व परिवर्तन में चक्रवर्ती के साथ मिलकर काम करेंगे। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी, वाराणसी के पूर्व छात्र चक्रवर्ती जनवरी 2020 में अडोबी से जुड़े थे। उन्होंने अडोबी एक्सपीरिएंस प्लेटफॉर्म के विस्तार, सीएक्स एंटरप्राइज जैसे उत्पादों के विकास और वर्कफ्रंट व सेमरश के अधिग्रहण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी नियुक्ति अडोबी की एआई रणनीति के अगले चरण पर केंद्रित है, जिसमें क्रिएटिविटी, प्रोडक्टिविटी और ग्राहक अनुभव से जुड़े एजेंटिक सॉफ्टवेयर शामिल हैं। यह नई रणनीति कंपनी के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

एआई की मार, भारतीय जीसीसी में पारंपरिक नौकरियों पर संकट

नई दिल्ली । आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) और स्वचालन भारत के वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) में पारंपरिक नौकरियों पर भारी पड़ रहे हैं। क्रेस कॉर्प की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इन नई तकनीकों से लेनदेन वित्त, खरीद, ग्राहक सहायता और सामान्य एनालिटिक्स जैसी नियमित भूमिकाओं की मांग में उल्लेखनीय कमी आई है, जबकि विशेषज्ञ और तकनीक-आधारित पदों की मांग लगातार बढ़ रही है। 'जीसीसी 2.0- द राइज ऑफ डिजिटल बिजनेस फंक्शन्स' रिपोर्ट के अनुसार, 2024 की तुलना में 2025 में प्रोक्योरमेंट रोल (खरीद से संबंधित भूमिकाएं) की मांग में सर्वाधिक 41.7 फीसदी की गिरावट आई है। इसी तरह, एनालिटिक्स भूमिकाओं में 37.9 फीसदी, ग्राहक सेवा में 34.5 फीसदी और वित्त व जोखिम प्रबंधन से जुड़े अवसरों में 32.8 फीसदी की कमी दर्ज की गई है। क्रेस ने इस बदलाव का कारण स्वचालन, केंद्रीकरण और डिजिटल तकनीकों के माध्यम से कार्यों का पुनर्गठन बताया है। उदाहरण के लिए, लेनदेन संबंधी खरीद गतिविधियां अब तेजी से स्वचालित होकर रणनीतिक सोर्सिंग मॉडल में बदल रही हैं, वहीं ग्राहक सेवा भी स्वचालन और स्वयं सेवा विकल्पों की ओर अग्रसर है।

प्रीमियम उत्पादों की धूम- एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों में जबरदस्त उछाल

- शेयर एक महीने में 12 फीसदी उछला; वित्त वर्ष 27 पहली तिमाही में राजस्व 15 फीसदी बढा

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी सूचीबद्ध कंज्यूमर ड्यूरेबल्स कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के शेयरों ने हाल ही में जबरदस्त उछाल देखा है, पिछले एक महीने में यह लगभग 12 फीसदी चढ़ गया। वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में कंपनी ने 15 फीसदी राजस्व वृद्धि और 12.5 प्रतिशत का मार्जिन दर्ज किया, जो मजबूत परिचालन प्रदर्शन और प्रमुख श्रेणियों में शानदार वृद्धि का परिणाम है। कंपनी का प्रदर्शन उम्मीदों से बेहतर रहा, कुल परिचालन मुनाफा मार्जिन 110 आधार अंक बढ़कर 12.5 प्रतिशत हो गया। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स वित्त वर्ष 2027 में मिड-टीन (13-17 फीसदी) राजस्व वृद्धि और दो अंक के मार्जिन का लक्ष्य लेकर चल रही है। ब्रोकरेज फर्मों ने आय अनुमान बढ़ाए हैं, हालांकि शेयर के मौजूदा उच्च मूल्यांकन वित्त वर्ष 28 आय के 44-45 गुना) को देखते हुए कुछ ने भविष्य के रिटर्न को लेकर सतर्कता बरती है। राजस्व में यह वृद्धि होम एंटरटेनमेंट बिजनेस में 22 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ सभी सेगमेंट में मजबूत प्रदर्शन के कारण आई। उपभोक्ताओं द्वारा बड़ी स्क्रीन वाले टेलीविजन (टीवी) में अपग्रेड करने से टीवी की बिक्री और वैल्यू दोनों में वृद्धि हुई, खासकर 55 इंच से बड़े टीवी में 53 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जो अब कुल टीवी सेगमेंट का 50 प्रतिशत हैं। कंपनी की टीवी बाजार हिस्सेदारी 26 प्रतिशत और ओएलईडी बाजार हिस्सेदारी 59 प्रतिशत पर स्थिर बनी हुई है। प्रीमियम उत्पादों की ओर रुझान, बेहतर प्रोडक्ट मिक्स और परिचालन दक्षता के चलते होम एंटरटेनमेंट सेगमेंट का मार्जिन 340 आधार अंक बढ़कर 19.1 प्रतिशत हो गया। सूचना प्रदर्शन खंड में भी सरकारी और कॉर्पोरेट ऑर्डरों की मदद से एलजी 36 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ अग्रणी है।

भारत के साथ अंतरिक्ष सहयोग बढ़ाएगा ऑस्ट्रेलिया, निजी क्षेत्र पर विशेष ज़ोर

बेंगलुरु स्पेस एक्सपो में कई एमओयू की उम्मीद; गगनयान में भी सहयोग



नई दिल्ली ।

ऑस्ट्रेलिया भारत के तेजी से बढ़ते अंतरिक्ष क्षेत्र में वाणिज्यिक सहयोग बढ़ाने का इच्छुक है, जिसका उद्देश्य पृथ्वी अवलोकन, छोटे उपग्रह निर्माण और जैव-प्रौद्योगिकी जैसे विविध क्षेत्रों में भागीदारी करना है। ऑस्ट्रेड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अगले सप्ताह बेंगलुरु स्पेस एक्सपो में भारतीय कंपनियों के साथ तीन से पांच समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। ऑस्ट्रेड के व्यापार एवं निवेश आयुक्त नाथन डेविस ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया पृथ्वी अवलोकन, छोटे उपग्रहों के निर्माण व प्रक्षेपण सेवाओं, ट्रैकिंग और जैव-प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में भारत के निजी अंतरिक्ष उद्योग के साथ मिलकर काम करना चाहता है। विशेष रूप से फार्मास्यूटिकल्स में माइक्रोग्रैविटी अनुसंधान भी एक संभावित क्षेत्र है। अगले सप्ताह बेंगलुरु स्पेस एक्सपो में ऑस्ट्रेलिया प्रौद्योगिकी देश भागीदार के रूप में भाग लेगा, जिसमें नौ कंपनियों और तीन विश्वविद्यालयों सहित 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल शामिल होगा। सिडनी स्थित स्पेस मशीन्स और लैटकनेक्ट 60 जैसी कंपनियां पहले ही भारतीय स्टार्टअप के साथ साझेदारी कर चुकी हैं, जबकि रिसर्चसैट जैसी कंपनियां भारत में भागीदार तलाश रही हैं। ऑस्ट्रेलिया का अंतरिक्ष क्षेत्र वर्तमान में 4.6 अरब का वार्षिक टर्नओवर और 17,000 रोजगार प्रदान करता है, जिसका लक्ष्य इसे कुछ वर्षों में 12-13 अरब तक बढ़ाना है। दोनों देश भारत के महत्वाकांक्षी गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन के लिए पहले से ही सहयोग कर रहे हैं, जिसमें ऑस्ट्रेलिया टेलीमेट्री ट्रैकिंग और क्रू-मॉड्यूल रिकवरी क्षमताओं में योगदान दे रहा है।

केन्या में सभी नियामकीय नियमों का कर रहे पालन: टाटा केमिकल्स

कंपनी ने नियामकीय अनुपालन का दावा किया, सभी दस्तावेज जमा किए



नई दिल्ली ।

केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूटो ने भारतीय दिग्गज टाटा केमिकल्स को झटका देते हुए सदी पुराने मैगाडी सोडा ऐश संयंत्र से बाहर निकलने का आदेश दिया है। इसके बाद टाटा केमिकल्स ने स्पष्ट किया है कि उसकी स्थानीय अनुषंगी टाटा केमिकल्स मगाडी लिमिटेड (टीसीएमएल) सभी नियामकीय आवश्यकताओं का पालन कर रही है और सरकार को सभी जरूरी सूचनाएं व दस्तावेज जमा करा चुकी है। टीसीएमएल को केन्या के खनन, समुद्री अर्थव्यवस्था और समुद्री मामलों के मंत्रालय का 28 जुलाई को परिचालन निलंबित करने को लेकर पत्र मिला था।

इसके बाद कंपनी ने 11 अगस्त को मांगी गई सभी सूचनाएं, रिपोर्ट और दस्तावेज जमा करा दिए थे। अब टाटा केमिकल्स मंत्रालय द्वारा इन दस्तावेजों की समीक्षा और आगे के निर्देशों का इंतजार कर रही है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि वह केन्या सरकार के अधिकार का सम्मान करती है और लंबित मुद्दों को उचित कानूनी एवं नियामकीय माध्यमों से सुलझाने के लिए रचनात्मक बातचीत जारी रखने को प्रतिबद्ध है। कंपनी ने 2005 में मगाडी संयंत्र का अधिग्रहण किया था। ष्ट्रपति रूटो ने टाटा पर आरोप लगाया कि कंपनी के पास 100 साल से खनन अधिकार हैं, लेकिन उसने काजियाडो में कुछ नहीं बनाया और संसाधन भारत तथा अन्य स्थानों पर ले जाती रही है। उन्होंने कहा कि सरकार टाटा की जगह दो नई कंपनियों को लाएगी, जिनमें से एक कांच का कारखाना और दूसरी रसायनों का उत्पादन करेगी। राष्ट्रपति की यह टिप्पणी खनन मंत्रालय द्वारा टीसीएमएल को बकाया खनन शुल्क और अन्य नियामकीय कमियों का हवाला देते हुए परिचालन निलंबित करने के निर्देश के लगभग पांच सप्ताह बाद आई थी।

जन्माष्टमी पर बाजारों में 40 हजार करोड़ से ज्यादा के व्यापार का अनुमान

पिछले साल के मुकाबले 30 फीसदी वृद्धि की संभावना, मिठाई और पर्यटन क्षेत्र की रहेगी प्रमुख हिस्सेदारी

नई दिल्ली

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने इस वर्ष श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर देश भर में 40,000 करोड़ से अधिक के व्यापार का अनुमान लगाया है। यह आंकड़ा विभिन्न व्यापारिक क्षेत्रों, धार्मिक व घरेलू खरीदारी, मंदिरों पर होने वाले व्यय, देशभर में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों और धार्मिक पर्यटन से जुड़े खर्चों के आधार पर जारी किया गया है। कैट के अनुसार, यह आंकड़ा पिछले वर्ष (30,000 करोड़) की तुलना में लगभग 30 प्रतिशत अधिक है, जबकि वर्ष 2024 में यह व्यापार ₹25,000 करोड़ रहा था।

उपभोक्ता मांग में वृद्धि, त्योहारों के बढ़ते सामाजिक दायरे, धार्मिक पर्यटन में बढ़ोतरी और डिजिटल खरीदारी के विस्तार को इस उछाल का मुख्य कारण माना जा रहा है। इस व्यापार में मिठाई, माखन-मिश्री व डेयरी उत्पादों की 20त्न और धार्मिक पर्यटन व संबंधित सेवाओं की 15 फीसदी हिस्सेदारी सबसे अधिक रहेगी।

इसके अलावा, फूल, मालाएं, सजावट सामग्री, पूजा सामग्री, पारंपरिक वस्त्र, फल और लड्डू गोपाल की मूर्तियां भी व्यापार में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। महाराष्ट्र में जन्माष्टमी का उत्सव विशेष धूमधाम से मनाया जाता है, जहां इस वर्ष 4,800 करोड़ के व्यापार की संभावना है, जिसमें मुंबई एमएमआर क्षेत्र से 3,500 करोड़ रुपए का योगदान होगा।



डालिंब में जितेंद्र कुमार का रहस्यमयी अवतार

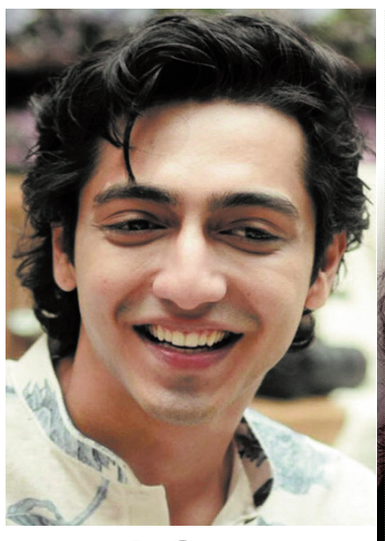
'पंचायत' फेम जितेंद्र कुमार का एक नया प्रोजेक्ट ओटीटी पर दस्तक देने की तैयारी में है। यह साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म 'डालिंब' है, जो सीधे ZEE पर रिलीज होगी। मराठी में 'डालिंब' का अर्थ अनार होता है, हालांकि यह एक हिंदी भाषी फिल्म है। इसमें जितेंद्र के साथ प्रिया बापट भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी मुंबई की एक बहुमंजिला इमारत में सेट है, जहां एक बच्चे के अचानक गायब होने के बाद रहस्य की परतें खुलनी शुरू होती हैं।

जितेंद्र-बुल्लू का नहीं होगा 'पंचायत' जैसा टकराव

फिल्म में जितेंद्र के साथ उनके 'पंचायत' के साथी कलाकार बुल्लू कुमार भी हैं। सूत्रों के मुताबिक, बुल्लू और जितेंद्र इसमें एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं बल्कि दोनों अपने-अपने किरदार और कहानी के हिस्से के मुताबिक आगे बढ़ते हैं। यहां दोनों के बीच 'पंचायत' जैसी नोक-झोंक नहीं होगी। 'डालिंब' की कहानी का मुख्य बैकड्रॉप मुंबई की एक हाई-राइज बिल्डिंग है। टीजर में भी बच्चे के गायब होने और उसके बाद पैदा होने वाले तनाव की झलक दिखाई गई है। मेकर्स ने कहानी के बड़े हिस्से को अभी छिपाकर रखा है। इसे सिर्फ बच्चे की तलाश वाली कहानी मानना सही नहीं होगा। इसे साइकोलॉजिकल थ्रिलर के तौर पर पेश किया जा रहा है। इस कहानी में कई ऐसे प्लॉट और सस्पेंस हैं जो चौंकाएंगे। सूत्रों से हुई बातचीत में फिल्म के बारे में एक और दिलचस्प संकेत मिला। 'डालिंब' में आस्था का पहलू भी देखने को मिल सकता है। सूत्र ये भी कहते हैं कि आस्था और मनोविज्ञान का यह मेल 'डालिंब' को पारंपरिक क्राइम थ्रिलर से अलग बनाता है। कहानी में रहस्य तो है, लेकिन इसके साथ इंसानी सोच और विश्वास को भी जगह दी गई है। यही कारण है कि फिल्म को 'रमन राघव 2.0' या 'असुर' जैसी पारंपरिक मर्डर मिस्ट्री के साथ सीधे जोड़ना ठीक नहीं होगा। 'डालिंब' का ट्रीटमेंट इससे अलग बताया जा रहा है। 'पंचायत' के सचिव जी के तौर पर जबरदस्त लोकप्रियता हासिल करने वाले जितेंद्र के लिए 'डालिंब' एक अलग तरह का प्रयोग है। उनका किरदार फिल्म में काफी लेयर्ड है और इसे उनकी स्थापित कॉमिक इमेज से अलग रखने की कोशिश की गई है। 'डालिंब' उन्हें एक ज्यादा गंभीर और रहस्यमयी दुनिया में ले जाती है। साथ ही हाई-राइज बिल्डिंग का सेटअप इस कहानी की अहम जरूरत है। प्रिया और जितेंद्र पहली बार इस तरह की साइकोलॉजिकल थ्रिलर में साथ दिखाई देंगे। 'डालिंब' में जितेंद्र और बुल्लू की मौजूदगी 'पंचायत' के दर्शकों के लिए जरूर एक कनेक्शन बनाएगी। सूत्रों ने बताया कि 'डालिंब' में बुल्लू एक सिक्योरिटी गार्ड की भूमिका निभा रहे हैं। उनका किरदार उत्तर भारत से आया हुआ है और मुंबई की उस बिल्डिंग में सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ा है, जहां फिल्म की पूरी कहानी घटती है। यह किरदार इसलिए भी अहम हो जाता है क्योंकि कहानी का बड़ा हिस्सा इसी बिल्डिंग के भीतर है।

प्रिया एवेन करेंगी निर्देशन में डेब्यू, अधिकतर शूट मुंबई में ही हुआ है

'डालिंब' के जरिए प्रिया एवेन फीचर फिल्म निर्देशन में कदम रख रही हैं। उन्होंने कहानी को एक सीमित लोकेशन के भीतर रखते हुए किरदारों और उनके मनोविज्ञान पर फोकस किया है। बच्चे के गायब होने के साथ शुरू होने वाला यह रहस्य धीरे-धीरे वहां रहने वाले हर किरदार की जिंदगी को अपनी चपेट में लेता चला जाता है। फिल्म की शूटिंग का ज्यादातर हिस्सा मुंबई में ही शूट किया गया है।



अगली फिल्म में गैंगस्टर बनेंगे अहान पांडे

यशराज बैनर की फिल्म 'सैयारा' से चर्चा में आए अभिनेता अहान पांडे अब अपने दूसरे बड़े प्रोजेक्ट के अंतिम चरण की शूटिंग में पहुंच गए हैं। इंडस्ट्री सूत्रों के अनुसार, निर्देशक अली अब्बास जफर की अनाम रोमांटिक-एक्शन फिल्म का करीब दो महीने लंबा यूनाइटेड किंगडम (यूके) शेड्यूल पूरा हो चुका है। इस दौरान फिल्म के कई अहम ड्रामेटिक सीक्वेंस और तीन बड़े गानों की शूटिंग की गई। फिल्म में अहान के साथ शरवरी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

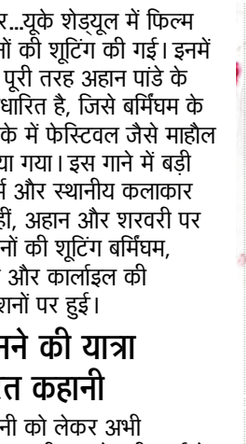
तीन बड़े गानों पर रहा खास फोकस

सूत्रों के अनुसार...यूके शेड्यूल में फिल्म के तीन बड़े गानों की शूटिंग की गई। इनमें एक सोलो गीत पूरी तरह अहान पांडे के किरदार पर आधारित है, जिसे बर्मिंघम के टाउन हॉल इलाके में फेस्टिवल जैसे माहौल के बीच फिल्माया गया। इस गाने में बड़ी संख्या में डांसर्स और स्थानीय कलाकार शामिल हुए। वहीं, अहान और शरवरी पर दो रोमांटिक गानों की शूटिंग बर्मिंघम, कोवेंट्री, पेनरिथ और कार्लाइल की खूबसूरत लोकेशनों पर हुई।

गैंगस्टर बनने की यात्रा पर आधारित कहानी

फिल्म की कहानी को लेकर अभी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इंडस्ट्री सूत्रों के मुताबिक यह सिर्फ एक गैंगस्टर फिल्म नहीं होगी। कहानी एक ऐसे युवा की यात्रा दिखाएगी, जो परिस्थितियों के चलते अपराध की दुनिया में कदम रखता है।

फिल्म में मेंटॉर की भूमिका निभाएंगे बॉबी देओल



फिल्म में बॉबी देओल का किरदार कहानी का अहम आधार होगा। बताया जा रहा है कि उनका पात्र अहान पांडे के किरदार को अपने संरक्षण में लेकर अपराध की दुनिया में आगे बढ़ाता है। यानी वह एक प्रभावशाली मेंटॉर के रूप में नजर आएंगे, जो कहानी की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वहीं, ऐश्वर्य ठाकरे फिल्म के मुख्य विलेन की भूमिका में दिखाई देंगे।

अनटाइटल्ड रोमांटिक कॉमेडी फिल्म में नजर आएंगी सिमर भाटिया



श्रीराम राघवन की 'इक्कीस' से बॉलीवुड डेब्यू करने वालीं सिमर भाटिया अब अपने दूसरे प्रोजेक्ट के साथ फिर बड़े परदे पर दिखेंगी। बता दें कि सिमर, अक्षय कुमार की बहन अलका भाटिया की बेटी हैं। जानकारी के मुताबिक, सिमर इस बार मलयालम एक्टर रोशन मैथ्यू के साथ एक अनटाइटल्ड रोमांटिक कॉमेडी में नजर आएंगी। यह फिल्म एक इमोशनल और कैरेक्टर-ड्रिवन लव स्टोरी होगी। फिल्म का डायरेक्शन अधिराज बोस संभालेंगे, जो इस फिल्म से अपना फीचर डायरेक्शन डेब्यू कर रहे हैं। इन्होंने 'एक थी डायन' और 'तलवार' जैसी फिल्मों में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम किया हैं। इस रोमांटिक ड्रामा को आयुष माहेश्वरी अपने बैनर बीएलएम पिक्चर्स के तहत प्रोड्यूस करेंगे, जो पहले 'धक धक', 'लूप लपेटा' और 'यारियां 2' जैसी फिल्मों को प्रोड्यूस कर चुका है। फिल्म की शूटिंग नवंबर में शुरू होगी और मेकर्स की प्लानिंग है कि अगले साल के मध्य में इसे थिएटर्स में रिलीज किया जाए। दूसरी ओर, रोशन जल्द ही 'ट्रायल बाय फायर' के डायरेक्टर प्रशांत नायर की नई स्कैम-थ्रिलर सीरीज 'जॉब ट्रैफिकिंग' में भी दिखेंगे, जो अमेजन प्राइम वीडियो पर अगले साल की शुरुआत में रिलीज होने की उम्मीद है। इससे पहले रोशन मलयालम सिनेमा में 'सी यू सून', 'मूथोन' और हाल ही में आई 'उयिर' जैसी फिल्मों से अपनी पहचान बना चुके हैं।

'मॉन्स्टर' में हुई रोनित रॉय की एंट्री

सलमान खान की फिल्म 'मॉन्स्टर' पिछले काफी समय से चर्चा बनी हुई है। इसे शुरुआत में एक प्रोजेक्ट के तौर पर आगे बढ़ाया गया था, लेकिन अब इसकी स्टारकास्ट और कहानी का दायरा लगातार बड़ा होता जा रहा है। फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। अब रोनित रॉय और सीमा बिस्वास भी इस फिल्म का हिस्सा बन गए हैं। दोनों एक्टर्स फिल्म में अहम किरदारों में नजर आएंगे। फिल्म में रोनित का किरदार काफी खास बताया जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक...'वह फिल्म में पॉजिटिव और बड़े कद वाले किरदार में नजर आएंगे।

वीर दास ने अपनी दूसरी डायरेक्टोरियल फिल्म 'बारा नंबर' की शूटिंग पूरी की

कॉमेडियन और एक्टर वीर दास ने अपनी दूसरी डायरेक्टोरियल फिल्म 'बारा नंबर' की शूटिंग पूरी कर ली है। यह एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर है, जिसे फाउंड फुटेज फॉर्मेट में बनाया गया है। इस फॉर्मेट में कहानी कैमरे से मिले फुटेज के जरिए आगे बढ़ती है। फिल्म में वीर डायरेक्टर और प्रोड्यूसर के साथ-साथ एक्टर के तौर पर भी नजर आएंगे। फिल्म को नरेश मलिक, जेफ लाजरस और कौशिक श्रीनिवासन की थर्ड फ्रेम स्टूडियो, कविता गुप्ता और विर की जाजू प्रोडक्शंस ने को-प्रोड्यूस किया है। कवी शास्त्री क्रिएटिव प्रोड्यूसर हैं। फिल्म में शीबा चड्ढा, सुहैल नय्यर, अरुणोदय सिंह, अहसास चन्ना, अतुल कुलकर्णी, निहारिका लायरा दत्त, श्रिया पिलगांवकर, पूजा सरूप और नवीन कौशिक समेत कई कलाकार हैं। फिल्म की कहानी फाउंड फुटेज के जरिए आगे बढ़ेगी। इसमें कैमरे से रिकॉर्ड हुए फुटेज को कहानी का हिस्सा बनाया गया है। फिल्म का फोकस किरदारों की मनोवैज्ञानिक स्थिति और उनके आसपास होने वाली घटनाओं पर रहेगा। इस फॉर्मेट के चलते फिल्म में पारंपरिक शूटिंग स्टाइल के बजाय कैमरा खुद कहानी का हिस्सा नजर आएगा। वीर ने बताया कि इस फिल्म को बनाना उनके लिए अलग अनुभव रहा। उनके मुताबिक, फाउंड फुटेज फॉर्मेट में कलाकारों को भी अपने अभिनय में स्वाभाविकता बनाए रखने पर काम करना पड़ा। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म में सभी कलाकारों ने इस अलग तरह की कहानी पर काम करने के लिए प्रयोग किए। शूटिंग पूरी होने के बाद अब फिल्म एडिटिंग और पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में जाएगी। बता दें कि वीर को पिछली बार फिल्म 'हैप्पी पटेल...' में देखा गया था।

'डोरोथी' में लीड रोल प्ले करेंगी कीर्ति सुरेश

निर्देशक कार्तिक सुब्बाराज ने अपनी फिल्म 'डोरोथी' का ऐलान कर दिया है। इस फिल्म में कीर्ति सुरेश मुख्य भूमिका निभाएंगी। फिल्म 25 सितंबर को दुनियाभर के थिएटर्स में रिलीज होगी। कार्तिक ने सोशल मीडिया पर फिल्म की घोषणा करते हुए बताया कि 'डोरोथी' उनके दिल के बेहद करीब है और वह इसे कई वर्षों से बनाना चाहते थे। उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म का म्यूजिक इलैयाराजा तैयार कर रहे हैं। वह इसके गाने और बैकग्राउंड स्कोर दोनों की जिम्मेदारी संभालेंगे। फिल्म में कीर्ति के अलावा सनंत और ऋषिकांत भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। हालांकि, मेकर्स ने अभी फिल्म की कहानी और बाकी स्टार कास्ट से जुड़ी जानकारी साझा नहीं की है। कार्तिक की पिछली फिल्म 'रेट्रो' थी, जिसमें सूर्या और पूजा हेगड़े मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे। फिल्म में जयराम, जोजू जॉर्ज और नासर ने भी अहम किरदार निभाए थे। यह फिल्म फिलहाल नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। अब यह फिल्म कार्तिक के निर्देशन में बनने वाली 10वीं फिल्म होगी। इसके जरिए कीर्ति सुरेश एक नई कहानी के साथ दर्शकों के सामने नजर आएंगी।

विजय देवरकोंडा संग नजर आएंगी कीर्ति



कीर्ति सुरेश हाल ही में फिल्म 'रिवॉल्वर रीटा' में नजर आई थीं। अब वह विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म 'राउडी जनार्धना' में दिखाई देंगी, जो दिसंबर में रिलीज होगी।



कृति सेनन एड विवाद पर बोलीं उर्वशी रौतेला

एक्ट्रेस कृति सेनन के रक्षाबंधन एडवर्टाइजमेंट विवाद पर अब उर्वशी रौतेला की प्रतिक्रिया सामने आई है। न्यूज एजेंसी से बातचीत में उर्वशी ने कहा कि वे किसी भी महिला को उसके कपड़ों से जज नहीं करती हैं, लेकिन क्रिएटिविटी के नाम पर सांस्कृतिक संवेदनशीलता से समझौता नहीं होना चाहिए। रक्षाबंधन भारत का बेहद पवित्र त्योहार है और इसकी मर्यादा का ध्यान रखा जाना चाहिए। बता दें कि ज्वेलरी ब्रांड जीवा के इस विज्ञापन में कृति सेनन के इंडो-वेस्टर्न पहनावे को लेकर सोशल मीडिया पर काफी विरोध हुआ था, जिसके बाद ब्रांड ने विज्ञापन को हटा लिया है। 'क्रिएटिविटी और परंपरा को एक साथ न मिलाएं' बातचीत में उर्वशी रौतेला ने कहा, 'हम आजादी और क्रिएटिविटी का जश्न मनाते हैं, लेकिन हमें यह सोचना होगा कि रक्षाबंधन एक संवेदनशील और पवित्र त्योहार है। इसे देश के करोड़ों लोग मनाते हैं और हमें अपनी परंपराओं पर गर्व है। हमें यह समझना होगा कि क्रिएटिविटी के नाम पर रक्षाबंधन जैसी पवित्र परंपरा से खिलवाड़ नहीं किया जा सकता।' 'हमें तय करना होगा कि कहां सीमा होनी चाहिए' उर्वशी ने बातचीत के दौरान भारतीय संस्कृति के प्रति अपने सम्मान का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के अटूट रिश्ते का खूबसूरत त्योहार है। उर्वशी ने जोर देते हुए कहा, 'हमें एक सीमा तय करनी होगी कि हमें क्या करना चाहिए और क्या नहीं। आखिरकार हम सब भारतीय हैं और हमें अपने देश और संस्कृति का सम्मान करना चाहिए।'

क्या है पूरा विवाद

कृति सेनन ने एड में रिवीलिंग कपड़े पहने- यह पूरा विवाद जीवा ज्वेलरी ब्रांड के 36 सेकंड के रक्षाबंधन एडवर्टाइजमेंट से शुरू हुआ था। रक्षाबंधन से जुड़े इस एड में कृति ने ऑफ व्हाइट ब्रालेट स्टाइल ब्लाउज, केप और ड्रेप्ड स्कर्ट पहना था। सोशल मीडिया यूजर्स के एक वर्ग ने इस लुक की आलोचना की। उनका कहना था कि परिवार और परंपरा से जुड़े त्योहार के लिए यह आधुनिक स्टाइल सही नहीं है।

स्वामी प्रकाशक :- डॉ विवेक गर्गाचार्य ने वत्स ओफ्सेट, मुद्रकः मनोज वत्स, मुद्दा हाउस ऑफसेट सी ब्लॉक, बारात घर चौराहा रघुनाथपुर सेक्टर 22 नोएडा गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश, 201301, 009 शांति अपार्टमेंट्स, डैपियर नगर मथुरा 281001 से प्रकाशित ऑफिस :- 009 शान्ति अपार्टमेंट्स डैपियर नगर मथुरा, संपादकः डॉ विवेक गगार्चार्य फोनः 0565-3569854, 9045782250, Email:- gargacharytimes@gmail.com